WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 252 | लखनऊ, मंगलवार, 01 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

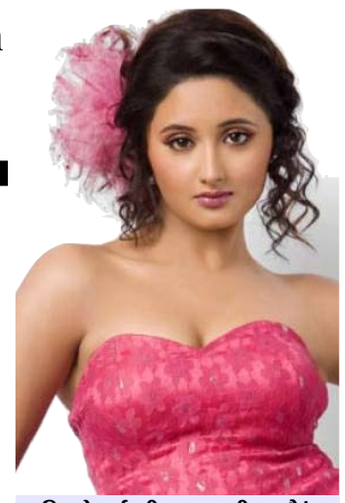

रश्मि देसाई की खूबसूरती पर फैंस बोले- तेरी सूरत से नहीं...

टकराव की आशंका

लद्दाख में 75 दिन बाद फिर तनाव

एक दिन पहले भारत ने चीनी सेना की घुसपैठ नाकाम की, चीन ने सीमा के पास फाइटर प्लेन भी तैनात किए

नयी दिल्ली, एजेंसी। चीन की घुसपैठ को लेकर रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को एक नोट जारी किया। इसमें कहा गया है कि चीन ने फिर यथास्थिति का उल्लंघन किया है। नोट के मुताबिक, 29 अगस्त की रात चीनी सेना ने पूर्वी लद्दाख के भारतीय इलाके में घुसपैठ की कोशिश की। भारतीय जवानों ने चीनी सैनिकों की इस कोशिश को नाकाम कर दिया। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, इससे पहले चीन ने लद्दाख के पास अपने जे-20 फाइटर प्लेन भी तैनात कर दिए थे। रक्षा मंत्रालय ने यह भी बताया कि भारतीय सेना ने चीन के सैनिकों को पैंगॉन्ग सो झील के दक्षिणी किनारे पर ही रोक दिया। भारत ने यह भी कहा कि हमारी सेना बातचीत के जरिए शांति कायम करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन हम अपनी सीमाओं की सुरक्षा करना जानते हैं।

15 जून को लद्दाख के गलवान में चीन और भारत के सैनिकों में हिंसक झड़प हुई थी

इस मुद्दे को सुलझाने के लिए चुशूल में ब्रिगेड कमांडर लेवल की बातचीत भी हो रही है। 15 जून को लद्दाख के गलवान में चीन और भारत के सैनिकों में हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें हमारे 20 जवान शहीद हो गए थे। सरकारी अफसरों के हवाले से न्यूज एजेंसी ने बताया कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स (पीएलएएफ) ने होतान एयरबेस पर जे-20 फाइटर प्लेन तैनात किए हैं। ये फाइटर 29-30 अगस्त की दरमियानी रात हुई घटना के पहले ही डिप्लॉय किए गए। होतान एयरबेस लद्दाख से नजदीक है। चीन ने ये तैनाती रणनीति के तहत की है। लड़ाकू विमान अब भी उड़ान भर रहे हैं। 10 सितंबर को भारत के पांचों राफेल वायुसेना में शामिल किए जाएंगे। गलवान झड़प के बाद लद्दाख में विवादित इलाकों से सैनिक हटाने के लिए भारत-चीन के आर्मी अफसरों के बीच 2 बार मीटिंग हो चुकी हैं। ये बैठकें 30 जून और 8 अगस्त को चीन के इलाके में पड़ने वाले मॉल्डो में हुई थीं, लेकिन इसका कोई खास नतीजा सामने नहीं आया।

चीन 3 इलाकों से पीछे नहीं हट रहा

आर्मी और डिप्लोमैटिक लेवल की कई राउंड की बातचीत के बावजूद चीन पूर्वी लद्दाख के फिंगर एरिया, देपसांग और गोगरा इलाकों से पीछे नहीं हट रहा। चीन के सैनिक 3 महीने से फिंगर एरिया में जमे हुए हैं। अब उन्होंने बंकर बनाने और दूसरे अस्थायी निर्माण करने भी शुरू कर दिए हैं। भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने हाल ही में बड़ा बयान दिया था। रावत ने कहा था, ''चीन के साथ बातचीत से विवाद नहीं सुलझा तो सैन्य विकल्प भी खुला है। हालांकि, शांति से समाधान तलाशने की कोशिशों की जा रही हैं। आर्मी से लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के आस-पास अतिक्रमण रोकने और इस तरह की कोशिशों पर नजर रखने के लिए कहा गया है।

प्रणव मुखर्जी नहीं रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का सोमवार को दिल्ली के सैन्य अस्पताल में निधन हो गया। उनके बेटे अभिजीत मुखर्जी ने यह जानकारी ट्वीट करके दी। प्रणब मुखर्जी 84 वर्ष के थे। प्रणब मुखर्जी को गत 10 अगस्त को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभिजीत मुखर्जी ने ट्वीट किया, भारी मन से आपको सूचित करना है कि मेरे पिता श्री प्रणब मुखर्जी का अभी कुछ समय पहले निधन हो गया। आरआर अस्पताल के डॉक्टरों के सर्वोत्तम प्रयासों और पूरे भारत के लोगों की प्रार्थनाओं और दुआओं के लिए मैं आप सभी को हाथ जोड़कर धन्यवाद देता हूं। प्रणब मुखर्जी के निधन पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी समेत प्रमुख हस्तियों ने शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्वीट किया, पूर्व राष्ट्रपति, श्री प्रणब मुखर्जी के स्वर्गवास के बारे में सुनकर हृदय को आघात पहुंचा। उनका देहावसान एक युग की समाप्ति है। श्री प्रणब मुखर्जी के परिवार, मित्र-जनों और सभी देशवासियों के प्रति मैं गहन शोक-संवेदना व्यक्त करता हूं। पूर्व राष्ट्रपति मुखर्जी को दिल्ली छावनी स्थित अस्पताल में गत 10 अगस्त को भर्ती कराया गया था और उसी दिन उनके मस्तिष्क में जमे खून के थक्के को हटाने के लिए उनकी सर्जरी की गई थी। मुखर्जी को बाद में फेफड़े में संक्रमण हो गया। मुखर्जी 2012 से 2017 तक देश के 13वें राष्ट्रपति थे। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने नायडू का हवाला देते हुए ने ट्वीट किया, उनके (मुखर्जी के) निधन से देश ने एक बुजुर्ग राजनेता को खो दिया है। वह सामान्य पृष्ठभूमि से ऊपर उठकर अपने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से देश के सर्वोच संवैधानिक पद पर पहुंचे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताते हुए कहा कि आज पूरा देश शोक में डूबा है। उन्होंने कहा, भारत, भारत रत्न श्री प्रणब मुखर्जी के निधन पर शोकाकुल है। उन्होंने हमारे राष्ट्र के विकास पथ पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा, वर्ष 2014 में दिल्ली में नया था, मुझे पहले दिन से उनका मागदर्शन, सहयोग पाने का सौभाग्य मिला। उनकी यादों को हमेशा संजोए रखूंगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, हमारे पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी जी के दुखद निधन की खबर मिली। देश बहुत दुखी है।

चीन से झड़प की सच्चाई बताएं मोदी और राजनाथः कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि सीमा पर चीनी सैनिकों की घुसपैठ एवं झडपों की ताजा खबरें चिंता पैदा करती हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को इस मामले में सामने आकर यथास्थिति से देश को अवगत कराना चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सोमवार को यहां जारी बयान में कहा कि चीन की तरफ से आए दिन भारत की संप्रभुता पर हमला बोला जा रहा है और चीनी दुस्साहस तथा घुसपैठ की ख़बरें निरंतर सामने आ रही हैं। चीन की तरफ से आए दिन भारत की अस्मिता पर अतिक्रमण हो रहा है तथा भारतीय सरजमीं पर कब्जा किया जा रहा है लेकिन मोदी सरकार चुप्पी साधे है। उन्होंने कहा रक्षा मंत्रालय की आज जो प्रेस विज्ञप्ति आई वह चौंकाने वाली है। उसमें बताया गया है कि किस प्रकार से 29 और 30 अगस्त को चीनी सेना ने भारतीय सेना से झड़प की और हमारी सरजमीं पर कब्जा करने का एक बार फिर दुस्साहस किया है। कभी गलवान घाटी में 20-20 भारतीयों सैनिकों की वीरगति, कभी गोगरा स्प्रिंग पर तो कभी फिंगर चार से फिंगर आठ तक, पांगोंग सो इलाके में चीनी कब्जा,तभी अब ये लद्दाख तक सीमित नहीं रहा। उत्तराखंड में लिपुलेख इलाके में चीनी जमावड़ा और अब डोकलाम में डोका लॉ और नाकु लॉ पास के अंदर भी जिस प्रकार से चीनी मिसाइल लगा दी गई हैं, ये भारत को सीधे-सीधे खतरा है। प्रवक्ता ने कहा कि देश की सेनाएं तो सीमा की रक्षा कर रही हैं और निडर होकर सीना ताने खड़ी हैं लेकिन देश के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री कहां हैं। लाल आंख दिखाकर वह चीन से बात कब करेंगे और उसे कब करारा जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि देश को बताया जाना चाहिए कि श्री मोदी चीन से लाल आंख में बातें कब करेंगे, देश की सरजमीं से चीनी कब्जा कब छुड़वाएंगे।

प्रेशर कुकर बम से करोल बाग में बड़ा धमाका करना चाहता था आईएसआईएस आतंकी

नयी दिल्ली, एजेंसी। इसी महीने दिल्ली से गिरफ्तार आईएसआईएस आतंकी मोहम्मद मुस्तकीम खान उर्फअबू यूसुफ ने पुलिस पूछताछ में बड़ा खुलासा किया है आतंकी ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के सामने यह कबूल किया है कि आईएसआईएस दिल्ली में बड़ा बम धमाका करने की योजना बना रहा था आतंकी ने यह भी कहा कि इस धमाके के लिए उसने करोल बाग में रेकी भी की थी आतंकी यूसुफने कहा कि उसका मकसद भीड़-भाड़ वाली जगहों पर कुकर बम रखकर धमाका करने की योजना थी आतंकी अबू यूसुफ ने पुलिस को यह भी बताया कि राम मंदिर के भूमि भूजन के बाद आईएसआईएस देश के कई हिस्सों में बम धमाके की योजना बना रहा है। आतंकी ने बताया था कि ये धमाके भूमि पूजन के एक महीने के अंदर ही करने की योजना बनायी गयी थी।

दूसरे दिन भी कोरोना के 78 हजार से अधिक केस

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में लगातार दूसरे दिन भी कोरोना संक्रमण के 78 हजार से अधिक नये मामले सामने आये जिससे संक्रमितों की संख्या 36.21 लाख के पार पहुंच गयी हालांकि राहत की बात यह है कि स्वस्थ होने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है जिससे सक्रिय मामले महज 21.59 प्रतिशत रह गये हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 78,512 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 36,21,245 हो गया। इसी अवधि में 60,867 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 27,74,801 हो गयी है। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 16,673 बढ़कर 7,81,975 हो गये हैं। देश के 971 और संक्रमितों की मौत होने से मृतकों की संख्या 64,469 हो गयी। देश में सक्रिय मामले 21.59 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 76.63 प्रतिशत है जबकि मृतकों की दर 1.78 प्रतिशत है। कोरोना से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 8422 बढ़कर 1,93,889 हो गयी तथा 296 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 24,399 हो गया। इस दौरान 7690 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 5,62,401 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। दक्षिणी राज्यों में आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 1,448 बढ़ने से सक्रिय मामले 99,129 हो गये। राज्य में अब तक 3884 लोगों की मौत हुई है, वहीं कुल 3,21,754 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 1645 की वृद्धि हुई है और यहां अब 88,110 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 5589 पर पहुंच गया है तथा अब तक 2,42,229 लोग स्वस्थ हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 52,721 हो गयी है तथा 7231 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 3,62,133 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी इस दौरान 1306 मरीजों की वृद्धि हुई है जिससे सक्रिय मामले 54,666 हो गये हैं तथा इस महामारी से 3423 लोगों की मौत हुई है जबकि 1,67,543 मरीज ठीक हुए हैं। तेलंगाना में कोरोना के 31,299 सक्रिय मामले हैं और 827 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 92,837 लोग इस महामारी से ठीक हुए है। पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के 25,657 सक्रिय मामले हैं तथा 3176 लोगों की मौत हुई है, वहीं अब तक 1,30,952 लोग स्वस्थ हुए हैं। ओडिशा में सक्रिय मामले 27,219 हो गये हैं और 482 लोगों की मौत हुई है जबकि रोगमुक्त लोगों की संख्या 73,233 हो गयी है।

फिर थमी पश्चिम बंगाल की रफ्तार, ममता सरकार ने लागू किया कड़ा लॉकडाउन

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में सोमवार को जनजीवन प्रभावित रहा क्योंकि पूरे राज्य में पूर्ण लॉकडाउन लागू है। महीने के आखिरी दिन में ज्यादातर लोग घर के भीतर ही रहे और गाड़ियां सड़कों से नदारद रहीं। हालांकि कुछ जिलों में बंद के उल्लंघन का भी मामला सामने आया और पुलिस ने उल्लंघन करने वाले लोगों पर कार्रवाई की। कूचबिहार में उल्लंघन करनेवालों को त्वरित एंटीजन जांच से गुजरना पड़ा। शहर और अन्य स्थानों पर लोगों की आवाजाही नहीं दिखी। पुलिस यहां सभी बड़े मार्गों और चौराहों पर तैनात थी। लॉकडाउन में घर से बाहर निकलने वालों से ऐसा करने की वजह के लिए सबूत मांगे गए। इस दौरान सभी सरकारी और निजी प्रतिष्ठान, बैंक, दुकान और बाजार बंद हैं। हालांकि, अनिवार्य सेवाओं से जुड़ी दुकानें जैसे कि दवा दुकान और दूध की आपूर्ति करने वाले को बंद से छूट दी गई।

रिया चक्रवर्ती पर कसा शिकंजा

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने दर्ज किया आपराधिक मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवंगत बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत केस की जांच सीबीआई कर रही है। हाल ही में खबर आई थी कि सुशांत ड्रग्स लेते थे। बताया जा रहा है कि इसकी जानकारी उनके परिवार को थी। जैसे ही ड्रग्स का ऐंगल केस में सामने आया तो सीबीआई के साथ एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) टीम भी केस में शामिल होने की मांग करने लगी। अब एनसीबी ने रिया चक्रवर्ती और कई लोगों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। 26 अगस्त को एनसीबी ने एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस) एक्ट के अंतरगत सेक्शन 20, 22, 27 और 29 के तहत केस दर्ज किया था। इसमें एनसीबी ने रिया चक्रवर्ती, भाई शोविक चक्रवर्ती समेत कई लोगों के नाम शामिल किए थे। ईडी ने एनसीबी से मांग करते हुए इन सभी के खिलाफ केस बनाने के लिए कहा था। अब एजेंसी ने आपराधिक मामला दर्ज करते हुए एक्ट्रेस के खिलाफ केस दर्ज किया है। वहीं, 25 अगस्त को ईडी ने एनसीबी से सुशांत सिंह राजपूत केस में ड्रग्स के ऐंगल पर जांच करने की मांग की थी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के डायरेक्टर राकेश अस्थाना ने इंडिया टुडे को कन्फर्म करते हुए कहा था, 'हम भी सुशांत सिंह राजपूत केस में इंवेस्टिगेशन शुरू करने जा रहे हैं।' रिया चक्रवर्ती से सीबीआई आज लगातार चौथे दिन पूछताछ कर रही है। सुशांत की पूर्व मैनेजर श्रुति मोदी भी सीबीआई गेस्टहाउस के बाहर स्पॉट की गईं। रिया और श्रुति के अलावा सीबीआई इस समय सिद्धार्थ पिठानी, मैनेजर सैम्यूअल मिरांडा हाउस हेल्प केशव और अकाउंटेंट रजत मेवाती से भी पूछताछ कर रही है। ड्रग्स की बात करें तो हाल ही में रिया चक्रवर्ती के वकील ने कहा था कि रिया ने कभी ड्रग्स नहीं लिए हैं। इसे साबित करने के लिए वह अपना ब्लड टेस्ट कराने के लिए तैयार हैं। हर रोज केस में नए खुलासे हो रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में पुलवामा जैसा अटैक फिर दोहराने की कोशिश

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में सोमवार को एक आंतकी हमला हुआ है बारामूला में आतंकवादियों ने सोमवार को भारतीय सेना के वाहन पर ग्रेनेड फेंककर हमला किया हालांकि, ग्रेनेड वाहन पर लगने से चूक गया और सड़क पर गिरकर ब्लास्ट हो गया इस हमले में 6 लोग घायल हो गए है घायलों का बारामूला के ही एक स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है न्यूज एजेंसी के अनुसार, सड़क पर गिरने की वजह से ग्रेनेड हमले में छह नागरिक घायल हो गए जम्मू कश्मीर पुलिस ने बताया, ग्रेनेड के चलते सड़क पर विस्फोट हुआ, जिससे घटनास्थल पर मौजूद छह नागरिक घायल हो गएपुलवामा अटैक भी सुरक्षा बलों के वहनों को निशाना बना कर किया गया था इस हमले में भारतीय सेना के 40 से ज्यादा जवान शहीद हो गए थे।

प्रशांत भूषण का जुर्माना अधिवक्ता ने भरा

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय से सोमवार को न्यायालय के खिलाफ टिप्पणी करने पर एक रुपये जुर्माने की राशि का योगदान जाने माने वकील प्रशांत भूषण के अधिवक्ता ने किया जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। उच्चतम न्यायालय के इस मामले में फैसला देने के बाद श्री भूषण ने ट्वीट कर स्वंय इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मेरे अधिवक्ता और वरिष्ठ सहयोगी राजीव धवन ने मेरे खिलाफ मानहानि मामले में आदेश के फौरन बाद एक रुपये का योगदान दिया जिसे मैंने ससम्मान स्वीकार कर लिया। इससे पहले न्यायाधीश अरुण मिश्रा की पीठ ने आज प्रशांत भूषण अवमानना मामले पर यह आदेश दिया।

जिसमें उनपर एक रुपये का जुर्माना लगाया गया था और दंड की राशि अदा नहीं करने पर उन पर तीन वर्ष वकालत पर रोक लगाने और तीन माह की सजा शामिल थी। अधिवक्ता न्यायपालिका के खिलाफ ट्वीट करने के लिए दोषी ठहराए गए थे। न्यायाधीश मिश्रा, बी आर. गवई और कृष्ण मुरारी की पीठ ने 25 अगस्त को प्रशांत भूषण के अपने ट्वीट्स के लिए माफी मांगने से मना करने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। पीठ ने प्रशांत भूषण के ट्वीट के लिए माफी मांगने से मना करने का उल्लेख करते हुए कहा कि माफी मांगने में क्या गलत है? क्या यह शब्द इतना खराब है? सुनवाई के दौरान पीठ ने प्रशांत भूषण को ट्वीट पर खेद व्यक्त नहीं करने के लिए अपने रुख पर विचार करने के लिए 30 मिनट का समय भी दिया था।

प्रणव मुखर्जी ने निधन पर कोविंद, नायडू और मोदी ने किया शोक व्यक्त

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के निधन पर आज गहरा शोक व्यक्त किया। श्री कोविंद ने ट्वीटर पर अपने संदेश में कहा, पूर्व राष्ट्रपति, श्री प्रणव मुखर्जी के स्वर्गवास के बारे में सुनकर हृदय को आघात पहुंचा। उनका देहावसान एक युग की समाप्ति है। श्री प्रणव मुखर्जी के परिवार, मित्र-जनों और सभी देशवासियों के प्रति मैं गहन शोक-संवेदना व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा, असाधारण विवेक के धनी, भारत रत्न श्री मुखर्जी के व्यक्तित्व में परंपरा और आधुनिकता का अनूठा संगम था। पांच दशक के अपने शानदार सार्वजनिक जीवन में, अनेक उच्च पदों पर आसीन रहते हुए भी वे सदैव जमीन से जुड़े रहे। अपने सौम्य और मिलनसार स्वभाव के कारण राजनीतिक क्षेत्र में वे सर्वप्रिय थे। राष्ट्रपति ने कहा, भारत के प्रथम नागरिक के रूप में, उन्होंने लोगों के साथ जुड़ने और राष्ट्रपति भवन से लोगों की निकटता बढ़ाने के सजग प्रयास किए। उन्होंने राष्ट्रपति भवन के द्वार जनता के लिए खोल दिए। राष्ट्रपति के लिए महामहिम शब्द का प्रचलन समाप्त करने का उनका निर्णय ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा श्री मुखर्जी के निधन से बहुत दुख पहुंचा है और उनके निधन से देश ने एक ऐसे वरिष्ठ राजनेता को खो दिया है जिन्होंने अपना राजनीतिक जीवन एक सामान्य व्यक्ति के तौर पर शुरू किया था और वह वह अपनी कठिन मेहनत, अनुशासन और प्रतिबद्धता से देश के शीर्ष संवैधानिक पद तक पहुंचे थे। अपने लंबे और विशिष्ट सार्वजनिक जीवन में उन्होंने प्रत्येक पद को गौरवान्वित किया और हर पद की गरिमा बनाए रखी। शोक संतप्त परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं , ओम शांति। श्री मोदी ने अपने शोक संदेश में कहा उनके निधन से पूरा भारत दुखी है और उन्होंने राष्ट्र के विकास पथ पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

मोदी की हैं लाल आंखें पर कांग्रेस की आंखें गीली क्यों: संबित पात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने पूर्वी लद्दाख में 29 एवं 30 अगस्त की दरमियानी रात को चीनी सेना के इरादों को भारतीय सेना द्वारा विफल किये जाने को लेकर कांग्रेस के बयानों पर आज तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि सरकार एवं सेना के पास चीन को दिखाने के लिए 'लाल आंखेंश् हैं लेकिन कांग्रेसी नेता बताएं कि उनकी आंखें क्यों गीली हैं। भाजपा के प्रवक्ता डॉ संबित पात्रा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में चीनी सेना की गतिविधियों के संबंध में कांग्रेस के बयान के बारे पूछे जाने पर कहा कि यह लाल आंखें बनाम भीगी एवं गमगीन आंखों का मामला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेना चीनी सेना को लाल आंखें दिखा रहे हैं। लेकिन हैरानी है कि कांग्रेस के नेताओं की आंखें इस बात से भीगी हुई हैं और गमगीन हैं।

देश की जीडीपी में सबसे बड़ी गिरावट

अप्रैल-जून तिमाही में 23.9 फीसदी गिरी

नई दिल्ली, एजेंसी। कोविड-19 संकट के बीच देश की अर्थव्यवस्था में चालू वित्त वर्ष 2020-21 की अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी 23.9 प्रतिशत की भारी गिरावट आई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े सोमवार को जारी किए। इन डेटा में जीडीपी में भारी गिरावट दिखी है। सकल घरेलू उत्पाद में इससे वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिये 25 मार्च को पूरे देश में लॉकडाउन (बंद) लगाया था। इसका असर अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। केंद्र ने 20 अप्रैल से धीरे-धीरे आर्थिक गतिविधियों को मंजूरी देनी शुरू की। ज्यादातर रेटिंग एजेंसियों और विशेषज्ञों ने देश के जीडीपी में 2020-21 में गिरावट का अनुमान जताया है। इस बीच, चीन की अर्थव्यवस्था में अप्रैल-जून तिमाही में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि जनवरी-मार्च, 2020 तिमाही में 6.8 प्रतिशत की गिरावट आयी थी। केन्द्र सरकार का राजकोषीय घाटा लॉकडाउन के कारण कमजोर राजस्व संग्रह के चलते वित्त वर्ष के शुरुआती चार महीनों (अप्रैल- जुलाई) में ही पूरे साल के बजट अनुमान को पार कर गया है। महालेखा नियंत्रक (सीजीए) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जुलाई के दौरान राजकोषीय घाटा इसके वार्षिक अनुमान की तुलना में 103.1 प्रतिशत यानी 8,21,349 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। एक साल पहले इन्हीं चार माह की अवधि में यह वार्षिक बजट अनुमान का 77.8 प्रतिशत रहा था। सरकार का राजकोषीय घाटा उसके कुल खर्च और राजस्व के बीच का अंतर होता है। पिछले साल अक्टूबर में यह वार्षिक लक्ष्य से ऊपर निकल गया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश वित्त वर्ष 2020- 21 के बजट में राजकोषीय घाटे के 7.96 लाख करोड़ रुपये यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। कोरोना वायरस महामारी के फैलने से उत्पन्न स्थिति को देखते हुये इन आंकड़ों को संशोधित करना पड़ा। कोरोना वायरस की वजह से लागू किये गये लॉकडाउन के कारण आर्थिक गतिविधियों में काफी व्यवधान खड़ा हुआ। केन्द्र सरकार ने 25 मार्च 2020 से पूरे देश में लॉकडाउन लागू किया था ताकि कोविड-19 के प्रसार पर अंकुश लगाया जा सके। इसके बाद मई से धीरे धीरे लॉकडाउन में ढील दी जान लगी। पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में राजकोषीय घाटा देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मुकाबले सात साल के उच्चस्तर 4.6 प्रतिशत पर पहुंच गया। वर्ष के दौरान राजस्व प्राप्ति कमजोर रही जो कि मार्च आते आते और कमजोर पड़ गई। महा लेखा नियंत्रक के आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष के शुरुआती चार माह के दौरान सरकार की राजस्व प्राप्ति 2,27,402 करोड़ रुपये रही।

गौशाला की आरक्षित जमीन में अवैध खनन की प्रधान ने की शिकायत

➲ उपजिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी के निर्देश के बाद पुलिस ने लगाई रोक

बकेवर, फतेहपुर । थाना क्षेत्र के ग्राम सरांय बकेवर प्रधान ने ग्राम सभा द्वारा गौशाला के लिए आरक्षित जमीन में खनन कराए जाने की शिकायत पुलिस क्षेत्राधिकारी से की है।

ग्राम प्रधान अमर नाथ गुप्त का कहना है कि यह खनन कार्य पिछले दिनों से चल रहा है। जिसकी शिकायत उन्होंने बकेवर पुलिस से किया था किंतु उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। जिससे खनन कराने वाले लगातार जेसीबी से खनन करा रहे हैं। शिकायती पत्र देते समय ग्राम सभा सरांय बकेवर की ग्राम विकास अधिकारी भी मौके पर मौजूद थीं।

पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि संतोष सिंह महाविद्यालय जो कि थाने से लगभग 500 मीटर पर स्थित है। उसी के समीप गौशाला के लिए आरक्षित जमीन पर जेसीबी द्वारा अवैध मिट्टी का खनन कराया जा रहा है। यह मिट्टी थाने से लगभग 100 मीटर दूर पर डाली जा रही है। ऐसे में यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि खनन कराने वालों के संबंध में पुलिस को पहले से ही जानकारी है। ग्राम प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी रक्षा पांडे ने बताया है कि जेसीबी चलने की वजह से लोगों ने सोचा कि ग्राम सभा में मनरेगा के तहत जेसीबी से तालाब की खुदाई कराई जा रही है।उन्होंने दिए गए शिकायती पत्र से मांग की है कि जब तक राजस्व टीम द्वारा उस जमीन की पैमाइश कर के सीमांकन ना किया जाए तब तक के लिए अवैध खनन रोक दिया जाए।

सवाल यह उठता है कि बिना परमिशन के यह अवैध खनन किस तरह किया जा रहा है, जो कि कहीं से भी संवैधानिक नहीं है।

जानकारी के अनुसार इस मामले की शिकायत जब उपजिलाधिकारी से की गई तो उन्होंने गंभीरता के साथ इस मामले को लेते हुए राजस्व टीम भेजने की बात कही, तब कहीं जाकर पुलिस ने काम रुकवाया। ग्राम प्रधान अमरनाथ गुप्ता ने बताया अवैध खनन में लगी जेसीबी मशीन सहित पांच ट्रैक्टरों को पुलिस ने पकड़ कर थाने लाना भी उचित नहीं समझा।

जमीनी विवाद में बड़े भाई को पीटा

फतेहपुर, । कल्यानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कंसपुर गुगौली में सोमवार की सुबह जमीनी विवाद को लेकर छोटे भाई ने अपने परिवार के साथ मिलकर बड़े भाई को लाठी-डण्डा व धारदार हथियार से घायल कर दिया। जिसे मेडिकल परीक्षण के लिए जिला चिकित्सालय भेजा है। पुलिस ने दम्पति समेत पुत्री को हिरासत में ले लिया। जबकि पुत्र की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार कंसपुर गुगौली निवासी राजेन्द्र प्रसाद का 45 वर्षीय पुत्र बृजेश कुमार का अपने छोटे भाई दिनेश कुमार से जमीनी विवाद चल रहा था। बताते हैं कि आज सुबह वह घर के दरवाजे पर बैठा था। तभी उसका भाई अपनी पत्नी गीता, पुत्री प्रिया व पुत्र संतोष के साथ वहां आ धमका तथा गाली-गलौज करते हुए उसके ऊपर लाठी-डण्डा व धारदार हथियार से वार कर घायल कर दिया। किसी तरह से उसने भागकर अपनी जान बचाई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराते हुए घायल को मेडिकल के लिए सदर अस्पताल भेजते हुए पुलिस ने मौके से हमलावर भाई दिनेश, उसकी पत्नी व पुत्री को हिरासत में ले लिया। जबकि पुत्र संतोष मौके से भाग जाने में सफल रहा।

युवा कॉंग्रेसी प्रतियोगिता को बनाये सफलः मुकेश

बिन्दकी, फतेहपुर । यूथ कांग्रेस प्रदेश पदाधिकारी/ जिला प्रभारी मुकेश बाल्मीक का नगर मे आगमन हुआ उन्होंने युवा कांग्रेस की बैठक ली और 13 सितम्बर को होने वाली राजीव गांधी प्रतियोगिता के बारे में सभी यूथ कांग्रेस के वॉलिंटियर्स को बताया कि अपने जिले के ज्यादा से ज्यादा पम्पलेट के माध्यम से बच्चों तक डोर टू डोर पहुँच कर इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करवाये। इस मौके पर आकाश शुक्ला, आफताब खान, नवनीत तिवारी, निकित द्विवेदी, अल्तमस, जीसान कुरेशी, अम्मार, सलमान, राहुल यादव तमाम युवा कॉंग्रेसी मौजूद रहे।

बाइक की टक्कर से घायल किशोरी की मौत

फतेहपुर, । सदर कोतवाली क्षेत्र के राधानगर झाऊपुर में चार दिन पूर्व कोटा राशन लेने गयी 12 वर्षीय एक किशोरी सड़क पार करते समय बाइक की चपेट में आ जाने से गम्भीर रूप से घायल हो गयी थी। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान सोमवार की दोपहर उसकी मौत हो गयी। बताते चलें कि कोतवाली क्षेत्र के विनोवा नगर निवासी इंदल का राशन का कोटा राधानगर झाऊपुर में है। उसकी पुत्री नैंसी अपनी नानी बिट्टी व बाबा छेदालाल के साथ राशन लेने के लिए कोटा संचालक के यहां गयी थी। तभी पानी पीने के लिए जब वह सड़क पार कर हैण्डपम्प की ओर जा रही थी इसी बीच विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दिया था। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी थी। परिजनों ने उसे आनन-फानन उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया था। जहां जिन्दगी और मौत के बीच संघर्ष करते-करते आज दोपहर उसने दम तोड़ दिया। सूचना पाकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

सर्पदंश से युवक की मौत

फतेहपुर, । थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम बसावनखेड़ा में रविवार की शाम खेत में काम कर रहे लगभग 35 वर्षीय एक युवक को जहरीले सर्प ने डस लिया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल ला रहे थे। तभी रास्ते में उसकी मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार बसावनखेड़ा गांव निवासी राम सजीवन लोधी का पुत्र रामभजन कल शाम खेतों में काम कर रहा था। तभी जहरीले सर्प ने उसे डस लिया। इसकी जानकारी जब परिजनों को हुयी तो इलाज के लिए अस्पताल ला रहे थे। तभी रास्ते में उसकी मौत हो गयी। उधर सूचना पाकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

एचटी लाइन की चपेट में आकर अधेड़ झुलसा

फतेहपुर, । मलवां थाना क्षेत्र के ग्राम कोराईं में सोमवार की दोपहर एचटी लाइन की चपेट में आ जाने से लगभग 50 वर्षीय एक अधेड़ बुरी तरह झुलस गया। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत चिन्ताजनक देखते हुए कानपुर के लिए रिफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार कोराईं गांव निवासी अली बक्श का पुत्र नबी अहमद आज दोपहर खेत जा रहा था। तभी टूटकर नीचे पड़ी एचटी लाइन की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया। परिजनों ने आनन-फानन उसे गम्भीर अवस्था में उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक ने उसकी हालत चिन्ताजनक देखते हुए कानपुर मेडिकल कालेज के लिए रिफर कर दिया।

बाइक की टक्कर से महिला घायल

फतेहपुर, । थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर में सड़क पार कर रही लगभग 35 वर्षीय एक महिला को विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दिया। जिससे वह घायल हो गयी। उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार रामपुर गांव निवासी संतराम की पत्नी प्रेमा देवी रविवार की शाम चार बजे खेत जा रही थी। जब वह सड़क पार करने लगी तभी विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दिया। जिससे वह घायल हो गयी। सूचना पर मौके पर पहुंची सरकारी एम्बुलेन्स ने घायल महिला को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

अधिशासी अधिकारी ने कस्बे में स्वच्छ भारत मिशन के तहत किया निरीक्षण

निरीक्षण दौरान कर्मचारियों को लगाई फटकार

जहानाबाद, फतेहपुर । आदर्श नगर पंचायत जहानाबाद अधिशासी अधिकारी कुलवंत सिंह ने बीते दिवसो से लगातार प्रिंट मीडिया में स्व'छ भारत मिशन के तहत कस्बे में उड़ाई जा रही धि'जयो की खबर को संज्ञान में लेते हुए जहानाबाद कस्बा के मोहल्ला व गलियों में भ्रमण करते हुए विगत कई दिनों से लगातार कर्मचारियों की लापरवाही का निरीक्षण कर रहे हैं। जहां कस्बे में सफाई से संबंधित जिम्मेवार कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए क्षेत्रीय जगहों - 2 पर सफाई करने के लिए कड़ाई से पालन हेतु निर्देशित दिया और कहा कि नगर पंचायत कस्बा मोहल्लों में कहीं पर भी अनावश्यक जगहों में कूड़ा एकत्रित ना किया जाए और जो लोग बस्ती के अंदर कूड़ा एकत्रित करके गंदगी जमा करने का कार्य कर रहे हैं उनको आदर्श नगर पंचायत जहानाबाद द्वारा नोटिस थमा ने का कार्य किया जाए।

आदर्श नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी ने कूड़ा एकत्रित करने हेतु चंदा गली मोहल्ला अंबेडकर नगर समीप प्राथमिक कूड़ा संग्रह स्थल नंबर 01 का निरीक्षण किया और मौजूदा कर्मचारियों को सफाई से संबंधित चेतावनी दी। इसी तरह प्राथमिक कूड़ा संग्रह स्थल नंबर - 02 मलाकापुर में कर्मचारियों को नियुक्त कर विशेष सफाई अभियान चलाकर जमा कूड़े के ढेर को कर्मचारियों के द्वारा वाहनों से कूड़ा सेंटर भेजा जा रहा है और वहां पर सफाई कराकर लेवल के तहत मिट्टी से समतल बनाया जा रहा है।निरीक्षण दौरान कर्मचारियों को अति शीघ्र सफाई किए जाने हेतु आदेशित किया और पोजेपुर समीप कैलाश मंदिर के सामने जहां कूड़ा एकत्रित था वहां पर भी बराबर करा कर उस स्थान को प्राथमिक कूड़ा संग्रह नंबर 0× नियुक्त किया। बारादरी सामने मस्जिद के पीछे जो कूड़ा एकत्रित था उसे भी चिन्हित करके कर्मचारियों द्वारा सफाई अभियान चलाकर मिट्टी छिड़का कर जगह बराबर कराई गई।अधिशासी अधिकारी कुलवंत सिंह ने बताया कि नगर पंचायत कस्बा के वार्ड मोहल्लों के अंदर जहां कहीं भी लोगों के द्वारा कूड़ा एकत्रित किया गया था वहां कर्मचारियों को लगाकर कूड़ा हटाया जा रहा है और कस्बे के अंदर कई जगह प्राथमिक कूड़ा संग्रह बनाए गए हैं जहां से कूड़ा एमआरएफ सेंटर पहुंचाते समय कूड़े का वजन करके भेजा जा रहा है और वर्तमान समय स्व'छ भारत मिशन के तहत विशेष सफाई पर बल दिया जा रहा है। कस्बे के अंदर जो लोग इधर-उधर कूड़े का ढेर लगाते हैं उन्हें चेतावनी भी दी गई है और ना मानने वालो पर नोटिस जारी की जाएगी।

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से दो बच्चे गंभीर घायल

एक की हालत नाजुक प्राथमिक उपचार बाद जिला अस्पताल रेफर

बिंदकी, फतेहपुर । तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से घर के बाहर खेल रहे दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए दुर्घटना के बाद हड़कंप मच गया ग्रामीणों ने चालक समेत पिकअप को पकड़ लिया और पुलिस को बुलाकर हवाले कर दिया वहीं घायल बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जिसमें एक की हालत चिंताजनक देखते हुए प्राथमिक उपचार बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मुरकुटा गांव में अजय कुशवाहा की 5 वर्षीय पुत्री सत्या देवी तथा सुरेंद्र कुशवाहा का 3 वर्षीय पुत्र आदि कुशवाहा घर के बाहर खेल रहे थे तभी खजुवा से बाहर की ओर तेज रफ्तार से जा रहे पिकअप गाड़ी ने टक्कर मार दी जिसके चलते दोनों बच्चे घायल हो गए दुर्घटना के बाद हड़कंप मच गया ग्रामीणों की भारी भीड़ लग गयी ग्रामीणों ने दौड़ा कर चालक समेत पिकअप को पकड़ लिया और पुलिस को सूचित कर पुलिस के हवाले कर दिया वहीं दूसरी ओर दोनों बच्चों सत्या देवी तथा आदि को इलाज के लिए परिजनों तथा ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया चिकित्सक ने सत्या देवी की हालत चिंताजनक देखते हुए प्राथमिक उपचार जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

प्रमुख सचिव ने साफ सफाई व्यवस्था के दिए निर्देश

❑ अभी भी गांव में कई लोग बीमार, कुछ का इलाज निजी और सरकारी अस्पतालों में हो रहा ❑ 1 महीने से गांव में फैली है संक्रामक बीमारी ❑ अब तक आधा दर्जन लोगों की हो चुकी है मौत

बिंदकी, फतेहपुर । गांव में पिछले एक महीने से संक्रामक बीमारी फैली हुई है द्य अब तक आधा दर्जन लोगों की वायरल फीवर और संक्रामक बीमारी के चलते मौत भी हो चुकी है अभी भी गांव में कई लोग बीमार हैं उसका इलाज बाहर निजी और सरकारी अस्पतालों में चल रहा है इसी के चलते सोमवार को प्रमुख सचिव गांव पहुंची उनके पहुंचते ही हड़कंप मच गया गांव में गंदगी देख प्रमुख सचिव ने नाराजगी जताई और साफ सफाई व्यवस्था के निर्देश दिए।

बताते चलें कि मलवा ब्लाक क्षेत्र के बहरौली गांव में पिछले 1 महीने से वायरल फीवर और संक्रामक बीमारी चल रही है वायरल फीवर और संक्रामक बीमारी के चलते अब तक आधा दर्जन लोगों की मौत भी हो चुकी है गांव में अभी भी दहशत का माहौल है अभी भी कई लोग घरों में बीमार पड़े हुए हैं कुछ लोगों का इलाज बाहर निजी और सरकारी अस्पतालों में चल रहा है इसी को ध्यान में रखते हुए सोमवार को प्रमुख सचिव कल्पना अवस्थी ने गांव का दौरा किया प्रमुख सचिव के पहुंचते ही हड़कंप मच गया गांव में गंदगी देख प्रमुख सचिव जमकर नाराजगी जाहिर की और मौजूद अधिकारी कर्मचारियों को निर्देश दिए कि गांव में सफाई व्यवस्था दुरुस्त गिरी जाए और जो लोग भी साफ सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करते हैं उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाए उन्होंने कहा कि साफ सफाई व्यवस्था होने के बाद जल्दी संक्रामक बीमारी में काबू पाया जा सकेगा उन्होंने मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि लगातार स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजते रहें और लोगों की जांच कर उन्हें दवा भी दी जाए संक्रामक बीमारी को जल्द से जल्द ठीक किया जा सके इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी सत्य प्रकाश उप जिलाधिकारी आशीष कुमार, उप जिलाधिकारी सदर प्रमोद झा, अपर उपजिलाधिकारी तथा मलवा ब्लॉक वीडियो प्रभारी प्रियंका, तहसीलदार गणेश सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

ब्लाक प्रमुख ने रिटायर्ड आंगनबाड़ी कार्य कत्रियो का किया सम्मान

सीडीपीओ और बीडीओ ने भी दी शुभकामनाएं

जहानाबाद, फतेहपुर । विकासखंड देवमई के ब्लाक प्रमुख कुश वर्मा जिन्हें लोग विकास पुरुष व युवा नेता के नाम से क्षेत्र में जानते व पहचाने हैं। ब्लाक प्रमुख को क्षेत्र के अलावा कहीं पर भी दुखद घटना घटने की इन्हे सूत्रों से जानकारी मिलती है तो दुःखी परिवार के दुःख की घड़ी में सामिल होकर उन्हें सहानुभूति प्रदान करते हैं।

आज सोमवार को ब्लाक प्रमुख कुश वर्मा ने एक मंच के तहत पांच- पांच हजार रुपये की चेक, उपहार और शाल भेंट कर रिटायर्ड महिलाओं का सम्मान किया। रिटायरमेंट दौरान ब्लॉक प्रमुख पहुंचकर कार्यकत्री महिलाओ के सम्मान में आगनवाड़ी कार्यकत्री उर्मिला देवी घोरहा और विभा अवस्थी आगनवाणी सहायिका शान्ती देवी सुजावलपुर

तथा सुधा देवी कलाना को उपहार सहित पांच - पाच हजार रुपये की चेक प्रदान कर सहानुभूति दी। ब्लाक प्रमुख ने रिटायर कार्य कर्तियों को शासन द्वारा वृध्दावस्था पेंशन दिलाये जाने की भी बात कही। इसी दौरान मौजूद सीडीपीओ अर्जुन सिंह ने कहा रिटायर्ड हुई लाभार्थी महिलाओ को उनके सेवा काल में हुए बीमे को दिलायेगे। विकास खण्ड अधिकारी कृपा शंकर यादव ने रिटायर्ड हुई महिलाओं को उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी।

कैबिनेट मंत्री और विधायक नन्द गोपाल गुप्ता ने शहर दक्षिणी में विकास हेतु अधिकारियों के साथ बैठक किया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र से विधायक नन्द गोपाल गुप्ता ने शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत विकास कार्यों में प्रगति के लिए नगर आयुक्त, वी0सी0, एडीए और सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक कर जल्द से जल्द कार्यपूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा हुई... मोती पार्क प्रयागराज में अंडर ग्राउंड मल्टीलेवल पार्किंग के निर्माण एवं पार्क के पुनर्विकास के संबंध में वेंडिंग जोन के निमार्ण कार्य जल्द से जल्द पूरा करवाना लेप्रोसी चौराहा का सौंदर्यीकरण पानी की पाइप लाइन में तत्काल प्रभाव से सुधार की जरूरत - करेलाबग सदियापुर झुग्गी बस्तियों के आस-पास सीवर लाइन शुरू करवाना - ए0डी0ए0 कालोनी नैनी के पार्कों का सौंदर्यीकरण एवं ओपन एयर जिम कि सुविधा - नैनी में सीवर लाइन जल्द से जल्द शुरू करवाना - ए0 डी0 ए0 कॉलोनी नैनी को नगर निगम को हस्तांतरित करना इस दौरान नगर आयुक्त प्रयागराज, वी सी प्रयागराज विकास प्राधिकरण एवं सम्बन्धित अधिकारीगण मौजूद रहे।

वाहन चोर गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

फतेहपुर, । सदर कोतवाली क्षेत्र के मिटौरा रोड पर सोमवार की सुबह कोतवाली पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान चार शातिर वाहन चोरों को दो बाइकों के साथ गिरफ्तार कर लिया। जिनकी निशानेदही पर पुलिस ने चोरी की सात अन्य बाइकें भी बरामद की हैं। पुलिस टीम की इस सफलता पर पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा ने दस हजार रूपये का ईनाम दिये जाने की घोषणा की। पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा के दिशा-निर्देशन में अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपाधीक्षक नगर के कुशल नेतृत्व में सोमवार की सुबह कोतवाली पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर मिटौरा रोड पर दो बाइकों पर सवार चार लोगों को हिरासत में लिया गया। पकड़े गये अभियुक्तों ने अपने नाम फैसल पुत्र नसीम निवासी कांशीराम कालोनी गड़रियन पुरवा थाना कोतवाली, मनोज पुत्र बहादुर चौहान निवासी ग्राम तमन्ना थाना हुसैनगंज, मो0 नाजिम पुत्र लईक अहमद निवासी छोटी बाजार थाना कोतवाली, राम मिलन पुत्र खुद्दू प्रसाद निवासी ग्राम रावतपुर सरांय थाना जाफरगंज बताया। पकड़े गये वाहन चोरों की निशानदेही पर पुलिस ने मिटौरा रोड गंदा नाला पुलिया के पास यूकेलिप्टस बाग के घनी झाड़ियों में छिपाई गयी सात चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की। इतना ही नहीं पुलिस ने फैसल पुत्र नसीम के पास से एक देशी तमंचा व एक जिन्दा कारतूस भी बरामद किया। पुलिस ने पकड़े गये अभियुक्तों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र श्रीवास्तव, उपनिरीक्षक कैलाश नाथ, बाकरगंज चौकी प्रभारी अनिरूद्ध कुमार द्विवेदी, उपनिरीक्षक ऋषभ कुमार सिंह, उपनिरीक्षक शैलेष यादव, कांस्टेबिल अशोक सरोज, विष्णु देव सिंह, मयंक यादव, विकास कुमार, दीपक सरोज, चन्द्रभान चौधरी व सचिन कुमार शामिल रहे। एएसपी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम की इस बड़ी कामयाबी पर उत्साहवर्धन हेतु दस हजार रूपये नकद पुरस्कार देने का ऐलान किया है।

ग्रामीणों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौप कर 18 घंटे विद्युत आपूर्ति किए जाने की किया मांग

➲ बिजली का फाल्ट सुधारने पर विद्युत संविदा कर्मचारियों द्वारा पैसा लिये जाने का भी लगाया आरोप ➲ दो या तीन घंटे बिजली मिलने पर धान की फसल सूखने पर जताई नाराजगी

बिंदकी, फतेहपुर । तीन गांव के सैकड़ों किसान व नलकूप स्वामी तहसील परिसर पहुंची और तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उन लोगों को वर्तमान समय में केवल 2 या 3 घंटे बिजली मिल रही है जिसके कारण धान की फसल खराब हो रही है ग्रामीणों ने कम से कम 18 घंटे बिजली दिए जाने की मांग की ज्ञापन में आरोप लगाया कि विद्युत संविदा कर्मचारियों द्वारा फाल्ट सुधारने के नाम पर वसूली की जाती है।

सोमवार को मलवा ब्लाक क्षेत्र के जनता, गौसपुर तथा सुमेरपुर साइको ग्रामीण किसान व नलकूप स्वामी तहसील पहुंचे जहां पर तहसीलदार गणेश सिंह को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें इस बात पर

नाराजगी जाहिर की गई कि वर्तमान समय में केवल 2 या 3 घंटे ही बिजली मिल पा रही है जिसके कारण धान की फसल सूख रही है धान की सिंचाई ठीक से नहीं हो पा रही है किसानों ने कम से कम 18 घंटे बिजली दिए जाने की मांग किया इतना ही नहीं किसानों ने आरोप लगाया कि आए दिन बिजली फाल्ट होती है कार्ड सुधारने के नाम पर किसानों ग्रामीणों तथा नलकूप स्वामियों से विद्युत विभाग के संविदा कर्मचारी वसूली का काम करते हैं पैसा न देने पर अपशब्दों का इस्तेमाल भी किया जाता है इतना ही नहीं ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जानबूझकर भी विद्युत फाल्ट की जाती है ताकि सुधारने के नाम पर फिर से वसूली की जा सके इस मामले में तहसीलदार ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्या का जल्द निराकरण कराया जाएगा और अधिक से अधिक घंटे विद्युत आपूर्ति दिए जाने की व्यवस्था की जाएगी इस मौके पर अनुज शुक्ला आशुतोष शुक्ला विजय कुमार चौरसिया आशु शुक्ला शिवनंदन नरेंद्र पाल सुग्रीव शिवप्रसाद चंद्रिका प्रसाद कमलेश जगतपाल रामबाबू संजय यादव गया सिंह हरिश्चंद्र संग्राम सिंह विनोद चौरसिया सूरजभान विश्वनाथ ज्ञान सिंह श्रीपाल सहित तमाम किसान ग्रामीण व नलकूप स्वामी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा शहर क्षेत्र में किया गया पैदल मार्च

मीरजापुर। सोमवार को जनपद में शान्ति व कानून व्यवस्था के बनाये रखने व कोविड-19 के नियमों का पालन सुनिश्चित कराये जाने एवं असमाजिक तत्वों में भय पैदा करनें तथा अमन चैन पसन्द नागरिको में सुरक्षित वातावरण के प्रति विश्वास बनाए रखने हेतु असमाजिक तत्वों में भय पैदा करनें तथा अमन चैन पसन्द नागरिको में सुरक्षित वातावरण व संदिग्धों की निगरानी व अभिसूचना संकलन हेतु पुलिस अधीक्षक अजय कुमार सिंह के द्वारा पुलिस बल के साथ पैदल मार्च किया गया। पैदल मार्च का प्रारंभ डंकीनगंज से शुरु कर सम्पूर्ण शहर क्षेत्र में किया गया । इस दौरान स्थानीय लोगों से जनसंवाद स्थापित कर वर्तमान समय मे फैली वैश्विक महामारी कोविड-19 की को देखते हुए अपने घरों में रहने एवं सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने की अपील भी की गयी, उक्त पैदल मार्च के दौरान संदिग्ध वाहनों/ व्यक्तियों की चेकिंग की गयी। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर, थाना प्रभारी कोतवाली शहर/ कोतवाली कटरा सहित पुलिस बल/ पीएसी व पुलिस कार्यालय का पुलिस बल सम्मिलित रहा।

टेलीग्राम से होती थी पाकिस्तान में बैठे आतंकियों से अबू की बातचीत यूएपीए कर सकती है जांच

लखनऊ, संवाददाता। आतंकी मुस्तकीम उर्फ अबू युसूफ डा. असरार व डा. सईद मेराज मदनी रब्बानी की तकरीर सुनकर आत्मघाती बनने की राह पर चला था। वह पाकिस्तान व अफगानिस्तान में बैठे अपने आकाओं से टेलीग्राम पर चौट करता था। बता दें कि अबू पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून (यूएपीए) के तहत कार्रवाई हुई है। प्रकरण की जांच दिल्ली विशेष प्रकोष्ठ पुलिस से लेकर एनआईए को दी जा सकती है। इस बात की जानकारी खुफिया संगठनों से मिली है। अबू के विषय में पता चला है कि वह डा. इकरार अहमद की तकरीर दिनभर सुनता था। इकरार कट्टर इस्लामिक नेता था जो मुस्लिम युवाओं को भड़काता था। वह आरएसएस का कट्टर विरोधी माना जाता है। मुस्तकीम ने डा. इकरार से ही कट्टरपंथी बनने की सीख ली। इकरार की दर्जनों तकरीर यूट्यूब पर अपलोड हैं। मुस्तकीम का दूसरा पंसदीदा तकरीर डा. सईद मेराज रब्बानी मदनी का है। डा. सईद भारत विभाजन के पक्षधर व मुसलमानों की हमदर्दी का नाटक अपनी तकरीर में करता है।

तिहरे हत्याकाण्ड,नाबालिग से बलात्कार और हिरासत में हत्या से प्रदेश दहला

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में सिलसिलेवार हो रही हत्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। आगरा जनपद में हुए तिहरे हत्याकाण्ड, नाबालिग से बलात्कार और पुलिस हिरासत में हुई हत्या से पूरा प्रदेश दहल उठा है। उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी गिरती कानून व्यवस्था और लगातार हो रही हत्याएं और अपराध पर नियंत्रण हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री से तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने जारी बयान में कहा कि आज उ0प्र0 के योगी राज में कानून का राज पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। नाबालिग बच्चियों के साथ आये दिन बलात्कार, गैंगरेप और हत्या हो रही है। प्रदेश के मुखिया टीम -11 द्वारा एकत्र फर्जी और झूठे तथ्यों को आम जनता के सामने रखकर गुमराह करने का काम कर रहे हैं। यही कारण है कि अब तो हिरासत में मौतें होना आम बात हो चली है। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि आगरा, चन्दौली, बुलन्दशहर, रायबरेली की घटनाएं हमारे सभ्य समाज और लोकतंत्र के लिए कलंक हैं। मुख्यमंत्री जी सत्ता के गुमान में मस्त हैं। अपराधी जंगलराज में मस्त हैं। पुलिस का इकबाल लगातार गिर रहा है और अपराधी मनबढ़ हुए जा रहे हैं। अजय कुमार लल्लू ने कहा कि अभी हाल के दिनों में लखीमपुर, सीतापुर, जालौन, गाजियाबाद, गोरखपुर, कानपुर, आजमगढ़, बलिया, औरैया आदि जनपदों में हुई जघन्य घटनाओं की स्याही सूख ही नहीं पायी कि आगरा, चंदौली, बुलन्दशहर और रायबरेली की घटना ने योगी राज में जंगलराज का डंका बजा दिया। इतना ही नहीं पुलिस का इकबाल पूरी तरह खत्म होता जा रहा है।

उन्नाव के विभिन्न ब्लाकों के सैंकड़ों लोग कांग्रेस में शामिल

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस पार्टी की नीतियों में आस्था एवं कांग्रेस नेतृत्व के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में जनपद उन्नाव के विभिन्न ब्लाकों के सैंकड़ों लोगों ने प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष वीरेन्द्र चौधरी जी के समक्ष कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वालों में प्रमुख रूप से सर्वश्री प्रवीन कुमार यादव, कमलेश कुमार तिवारी, शिवम त्रिपाठी, कमलेश कुमार पाण्डेय, प्रदीप शर्मा एड, मो0 कैश, नूर अहमद, आफाक अहमद, सचिन मिश्रा, आशीष तिवारी, प्रदीप चौहान, सुशील कुमार, शहर बानो, चन्दा बेगम, मनोज पाल एवं राजेश कुशवाहा सहित सैंकड़ों लोग शामिल रहे।

योगी बोले-राम मंदिर निर्माण एक नए युग की शुरुआत

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर से जुड़े ऑनलाइन सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से एक बड़े विवाद का निपटारा हुआ है। राम मंदिर निर्माण एक नए युग की शुरुआत है। लाखों की संख्या में भक्तों ने बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त की तारीफ इतिहास में दर्ज हुई है। राम मंदिर को लेकर करीब 20-25 अंदोलन चला है। गोरक्षपीठ भी जन्मभूमि अंदोलन से जुड़ा रहा। लोकतंत्रिक तरीके से मंदिर का निर्माण हुआ है। योगी ने कहा कि राम राज्य लोक कल्याण का रास्ता दिखाता है। 2014 के बाद सबका साथ सबका विकास पर जोर दिया गया। पहले राजनीति जाति पर केंद्रित थी, लेकिन अब की राजनीति लोक कल्याण पर केंद्रित है। मोदी सरकार ने देश जनता के लिए काम किया है। जनता के लिए नए कार्यक्रम चलाए गए।

यहियागंज बाजार में किया गया कोविड-19 के प्रभाव को रोकने वाली दवा का वितरण

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना महामारी से लड़ने के लिए हर कोई अपने स्तर से हर संभव प्रयास कर रहा है। फिर चाहे वह डॉक्टर हो, पुलिस हो या फिर सक्षम शख्सियत ही क्यों ना हो। इसी क्रम में अब उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के यहियागंज व्यापार मंडिल की ओर से भी एक शानदार प्रयास किया गया है। जानकारी के मुताबिक यहियागंज व्यापार मंडिल की ओर से कोविड-19 महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए लोगों के बीच दवा का वितरण किया गया है। यह दवा आइवर मेकटिंक है। बताया जा रहा है कि इस दवा को डॉक्टरों की सलाह लेने के बाद ही लोगों के बीच वितरित किया गया है। यह दवा महामारी को रोकने में काफी मददगार साबित हुई है। यह दवा यहियागंज व्यापार मंडल की ओर से यहियागंज बाजार में प्रत्येक व्यापारी को मुफ्त में दी गई है। वितरित की गई दवा 6 एमजी की है। बताया जा रहा है कि बाजार में कुल 60000 टेबलेट का वितरण किया गया है।

तेज रफ्तार आल्टो कार ने बाइक में मारी टक्कर, दो महिलाओं सहित तीन लोग घायल

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना और लॉकडाउन के बीच रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। यपी में फिर सड़क दुर्घटनाओं का दौर शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित काकोरी थाना क्षेत्र के पावर हाउस बरावन खुर्द क्षेत्र में सोमवार तड़के में भीषण सड़क हादसा हो गया है। एक तेज रफ्तार आल्टो कार अनियंत्रित होकर आगे जा रही बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी की बाइक पर सवार उछलने के बाद छिटककर बाइक सहित सड़क किनारे जा गिरे। इस घटना बाइक सवार युवक के साथ बैठी दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गये। जबकी कार चालक मौके से फरार हो गया है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलो को एबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आल्टो कार चालक नशे में धुत होकर वाहन चला रहा था।

लखनऊ में नारेबाजी करते हुए राजभवन का घेराव करने जा रहे छात्रों-पुलिस के बीच तीखी झड़प

लखनऊ, संवाददाता। 1 सितंबर से शुरू होने जा रहीं जेईई-नीट परीक्षाओं का विरोध अब खूनी संघर्ष में तब्दील हो चुका है। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज एरिया जंग का मैदान बन चुका है। पिछले कई दिनों से परीक्षाओं का विरोध कर रहे समाजवादी पार्टी के युवा संगठनों ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन कर किया है। समाजवादी छात्र सभा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों युवाओं का दल हांथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए सपा प्रदेश कार्यालय से निकलकर राजभवन की ओर बढ.ने लगा। छात्रों को रोकने के लिए पुलिस ने गौतमपल्ली चौराहे पर पहले ही बैरिकेडिंग कर रखी थी। हजरतगंज सीओ के नेतृत्व में भारी पुलिस फोर्स और पीएसी के जवानों को भी तैनात किया गया था। लेकिन जब सपा कार्यालय से युवाओं की भीड़ नारेबाजी करते हुए निकली तो पुलिस की सभी तैयारियां बेकार हो गई। पुलिस और सपा कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोक-झोंक और झड़प शुरू हो गई। छात्र राजभवन का घेराव करने पर अड़ गए। इसके बाद उग्र छात्रों को काबू में करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। छात्र नेताओं को घेरकर जमकर पीटा गया। कई छात्रों को गंभीर चोटें आई हैं। कई के सिर फट गए तो कई के हांथों और पैरों में प्लैक्चर हो गया है। छात्रों के साथ भिड़ंत में कुछ पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई हैं। पुलिस छात्रों को पीटते हुए घसीट-घसीटकर वाहनों में भरकर ईको गार्डेन भेज दिया है। प्रदर्शन में कई छात्राएं भी शामिल रहीं। इससे पहले बीते गुरुवार को भी समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के छात्र संगठनों ने जेईई-नीट परीक्षाओं का आयोजन के विरोध में लखनऊ में प्रदर्शन किया था। राजभवन के सामने प्रदर्शन कर रहे समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई थी। पुलिस ने गुरुवार को भी लाठीचार्ज किया था। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट से हरी झण्डी मिलने के बाद मेडिकल और इंजीनियरिंग में प्रवेश की यह परीक्षाएं 1 सितंबर से देश भर में शुरू हो जाएंगी। देश भर में इन परीक्षाओं में करीब 25 लाख छात्रों के शामिल होने का अनुमान है। कांग्रेस सहित विपक्ष कहना है कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के बीच इन परीक्षाओं का आयोजन कराकर सरकार छात्रों और उनके अभिभावकों का जीवन और स्वास्थ्य खतरे में डाल रही है। इसलिए यह परीक्षाएं टाल दी जाएं।

लद्दाख में चीनी दुस्साहस का सेना ने दिया मुँहतोड़ जवाब, आगे के लिए सतर्क रहे सरकार: मायावती

लखनऊ, संवाददाता। एक बार फिर पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में चीनियों ने दुस्साहस किया है। जिसको लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में चीनी सेना का दुस्साहस चौंकाने वाला है लेकिन संतोष की बात यह है कि भारतीय सेना ने इसका मुँहतोड़ जवाब दिया है। मायावती ने ट्वीट कर कहा, 'चीनी सेना द्वारा एक बार फिर पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में दुस्साहस करने की खबर चौंकाने वाली है, लेकिन संतोष की बात है कि भारतीय सेना ने इसका मुँहतोड़ जवाब दिया है। सरकार को आगे और भी ज्यादा सजग व सतर्क रहने की जरूरत है।' गौरतलब है कि पिछले काफी दिनों ने पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में भारतीय सेना और चीनी सेना के बीच विवाद चल रहा है। पिछले महीने चीनी सेना ने भारत के 20 जवानों की हत्या भी कर दी थी। इस घटना को लेकर दोनों देशों में तनाव है।

अखिलेश का शायराना अंदाज, बोले-कभी-कभी यूं भी रखी जाती है 'इंसाफ' की आबरू

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शायराना ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि कभी-कभी यूं भी रखी जाती है 'इंसाफ' की आबरू.. हिफाजत में रख लिए जाएं कुछ फैसलों के फैसले। अपने दूसरे ट्वीट में उन्होंने लिखा कि जिस प्रकार देशभर के परीक्षार्थियों ने अपनी 'नापसंदगी' दर्शाकर अपना रोष दर्ज किया है, उसने साफकर दिया है कि चिंतित युवा और अभिभावक भी चाहते हैं कि सत्ताधारी अपना दंभ त्यागकर परिवारवालों की मांग सुनें। याद रहे पलटे हुए अंगूठे सत्ता भी पलट देते हैं। ये जनतंत्र हैय मनतंत्र नहीं। एक अन्य ट्वीट में अखिलेश ने कहा कि उप्र में कोरोना के बदतर होते हुए हालतों की वजह से सरकार को अपने अधिकारियों-कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए उन्हें सप्ताह में केवल 4 दिन ही बुलाना चाहिए व हल्के लक्षणवाले मरीजों को घर पर ही क्वारेंटाइन होने की अनुमति देनी चाहिए, जिससे गंभीर मरीजों के लिए अस्पताल में जगह कम न पड़े।

गुजरात से आईएसआई एजेंट रजक भाई गिरफ्तार पाकिस्तानी जासूस राशिद से है संबंध

लखनऊ, संवाददाता। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आईएसआई एजेंट रजकभाई को गुजरात के कच्छ से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार एजेंट मुंद्रा पोर्ट पर सुपरवाइजर का काम करता था। ये मामला उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के निवासी मोहम्मद राशिद की गिरफ्तारी से संबंधित है। राशिद को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। एनआईए ने कहा कि जांच के दौरान ये पता चला कि आरोपी राशिद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारियों के संपर्क में था और वो दो बार पाकिस्तान का दौरा भी कर चुका था।

पुलस्त तिवारी एनकाउंटर: पुलिस पर एफआईआर हेतु मुकदमा

लखनऊ, संवाददाता। 09 अगस्त 2020 की रात सर्वोदय नगर, इंदिरा नगर, लखनऊ निवासी पुलस्त तिवारी के लखनऊ पुलिस से हुए कथित मुठभेड़ को गलत बताते हुए उसकी माँ मंजुला तिवारी ने पुलिसवालों पर मुकदमे के लिए आज सीजेएम कोर्ट लखनऊ में मुकदमा दायर किया. सीजेएम लखनऊ शिवानन्द ने गाजीपुर थाने से 14 सितम्बर 2020 तक रिपोर्ट माँगा है। वादिनी की अधिवक्ता डॉ नूतन ठाकुर ने बताया कि लखनऊ पुलिस ने दावा किया था कि आशियाना थाना क्षेत्र में देर रात हुई मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश पुलस्त तिवारी को गिरफ्तार किया है, जिसके दाहिने पैर में गोली लगी है. पुलिस के अनुसार आशियाना पुलिस जोन-8 दफ्तर के पास चेकिंग कर रही थी, जहाँ पुलस्त बिना नंबर प्लेट की काले रंग की बाइक पर आया तथा पीछा करने पर गोली चलाया,इसके विपरीत मंजुला तिवारी तथा उनके परिवार के अनुसार 09 अगस्त की शाम करीब 6-6.30 बजे दो पुलिस वाले उनके घर आये और वे पुलस्त को अपने साथ ले गए. इनमे एक दरोगा महेश दूबे थे. पुलस्त की बहन ने इस संबंध में पुलिस कमिश्नर के पीआरओ से भी फोन से बात की. इसके अलावा पुलस्त के परिवार वालों के पास उसे ले जाते समय के सीसीटीवी रिकॉर्डिंग भी हैं. पुलिस ने उसी रात पुलस्त को भागता हुआ दिखा कर उसके पैर में गोली मारी, मुकदमे में इस आधार पर आशियाना थाने के पुलिसवालों पर अवैध हिरासत में लेने, कूटरचित अभिलेख बनाने, अधिकारों का आपराधिक उपयोग, जान से मारने का प्रयास करने आदि के आरोपों में मुकदमा दर्ज किये जाने की मांग की गयी है।

ग्लोबल इनसाइक्लोपीडिया ऑफ रामायण दूसरा रामसेतु होगा

दक्षिण भारतीय भाषाओं में रामायण विषयक हुई वेबिनार

लखनऊ, संवाददाता। ग्लोबल इनसाइक्लोपीडिया ऑफ रामायण के अंतर्गत दक्षिण भारतीय भाषाओं में रामकथा विषय पर आयोजित वेबिनार में तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और मराठी भाषा की रामायणों पर चर्चा हुई। रामायण केंद्र भोपाल और अयोध्या शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वेबिनार में आयोध्या शोध संस्थान के निदेशक डॉ.योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि रामसेतु के बाद यह दूसरा सेतु इनसाइक्लोपीडिया के रूप में तैयार हो रहा है। आयोजन के सूत्रधार एवं रामायण केंद्र के निदेशक डॉ.राजेश श्रीवास्तव ने विभिन्न भाषाओं में प्रचलित प्रमुख रामायणों के हवाले से बताया की दक्षिण भारत में रामायण लेखन में विविधता है। उत्तर भारत की रामलीला की अपेक्षा यहां नृत्य नाटिकाओं, उत्सव और वास्तु विविधता देखने को मिलती है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कन्नड़ भाषी शिक्षाविद् डॉ.टी.जी.प्रभाशंकर प्रेमी ने कहा कि भिन्न-भिन्न भाषाओं की रामकथाओं में थोड़ा बहुत अंतर मिलता है पर मूल रूप से राम के चरित्र में सभी में एकरूपता दिखती है। उन्होंने कन्नड़ रामायण पर विस्तार से जानकारी दी। बेंगलुरु की डॉ.उषारानी राव ने कन्नड़ भाषा में लिखी रामायण की जानकारी दी। मुंबई विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय मुंबई ने रामायण और महाभारत को भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण ग्रंथ बताते हुए महाराष्ट्र में रामकथा के तथ्यों को साझा किया। कोल्हापुर मूल के डॉ.अर्जुन चव्हाण ने मराठी में रचित भावार्थ रामायण के बारे में रोचक तथ्य बताए। तेलुगू की विदुषी प्रो.मणिक्याम्बा मणि ने तेलुगु भाषा में रामायण की परम्परा को विस्तार से समझाया। इसके साथ ही उन्होंने भास्कर और रंगनाथ रामायण के संदर्भ में भी ज्ञानवर्धक जानकारियां दी। कोयंबटूर के अविनाशलिंगम विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष और तमिल भाषी डॉ.जी.शान्ति ने काम्ब रामायण सहित तमिल रामायणों के साक्ष्य वेबिनार में रखे। वर्धा विश्विद्यालय के पूर्व कुलपति और मलयालम भाषा के विद्वान प्रो.पिनाथन ने कहा कि जब से मलयालम, तमिल भाषा से अलग होकर अपने स्वतंत्र अस्तित्व में आई तभी से रामकथा वीर रस के उदाहरण के रूप में गाई जा रही है। उन्होंने मलयालम में लिखित रामायणों का परिचय भी दिया।

महेंद्र सिंह टिकैत की प्रतिमा लोक भवन में लगाए जाने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सहित दुनिया के किसान, मजदूर स्वर्गीय चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत को अपना मसीहा मानते हैं। हम उत्तर प्रदेश सहित दुनिया भर के किसानों की भावनाओं को लेकर आप से यह मांग कर रहे हैं कि महात्मा महेंद्र सिंह टिकैत जी की एक प्रतिमा आप लोक भवन में लगवाए। क्योंकि आप भी अनेकों आंदोलनों के माध्यम से सरकारों को आईना दिखाने का काम करते रहते थे। उनके आंदोलन उनके संघर्ष और उन्होंने निंविवाद रहते हुए राजनीति से दूर रहकर सर्वधर्म, मानव हित के लिए उन्होंने कार्य किए हैं। उनको लेकर किसानों की मंशा है कि यह कार्य भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों से अगर होगा तो उस महान आत्मा को बहुत प्रसन्नता होगी। क्योंकि उन्होंने साधु-संतों से लेकर खेतिहर मजदूर, किसान सब का सम्मान करते हुए अपने जीवन में अनेकों इतिहास स्थापित किए हैं।

लखनऊ में मुहर्रम की 10 वीं तारीख बहुत शांति और खुशी के साथ समाप्त हुई: मुहम्मद अफाक

लखनऊ, संवाददाता। यह अवध के इतिहास में पहली बार हुआ कि 10 वीं मुहर्रम बहुत ही शांत और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। पहली बार, कोई जुलूस नहीं देखा गया और किसी ने पुलिस की दक्षता के कारण किसी से शिकायत नहीं की। इस संबंध में, सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद अफाक ने अल्पसंख्यक समुदाय की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी ने मुहर्रम की पवित्रता का सम्मान किया और किसी को शिकायत का मौका नहीं दिया। उन्होंने कहा कि लखनऊ में लगातार एक दूसरे की भावनाओं के साथ खेलने की शिकायतें आ रही थीं लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। पुलिस ने जिस शांति पूर्ण तरीके से मोहर्रम समारोह को आयोजित कराया, उसकी प्रशंसा की जानी चाहिए और अल्पसंख्यक समुदाय को भी भविष्य में इससे सबक सीखना चाहिए कि ऐसे ही माहौल को बनाए रखें और एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। यही देश और राष्ट्र की भलाई है और इसी में हमारी प्रगति और समृद्धि का रहस्य छिपा हुआ है, और धार्मिक समारोहों का सम्मान करना भी आवश्यक है, ताकि हमारी थोड़ी सी भी कमजोरी के विरोधी और बदमाश फायदा नहीं उठा सके।

यूपी कांग्रेस में भी युवा आगाज से पुराने दिग्गज नाराज प्रियंका की संगठन क्षमता पर भी उठ रहे हैं सवाल

लखनऊ, संवाददाता। दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश तक कांग्रेस में जारी कलह-कलेश थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस में नये-पुराने नेताओं के बीच अंतर्कलह मची है तो सोनिया और राहुल गांधी के समर्थक भी 'टकराव' की मुद्रा में हैं। सोनिया पुराने नेताओं की वफादारी की कायल हैं तो राहुल गांधी को युवा पीढ़ी के नेताओं पर ज्यादा भरोसा है। गांधी परिवार की खींचतान में बड़े-बड़े कांग्रेसी नेता गुटबाजी में लगे हैं तो पार्टी के प्रति समर्थित आम कांग्रेसी दुखी और हासिए पर नजर आ रहा है। दिल्ली में जहां सोनिया-राहुल गांधी के बीच का सियासी मनमुटाव कांग्रेस के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है तो वहीं उत्तर प्रदेश में प्रदेश प्रभारी प्रियंका वाड्रा पर आरोप लग रहे हैं कि वह यूपी कांग्रेस को 'बर्बाद' करने में लगी हैं। गत दिनों कांग्रेस के 23 दिग्गज नेताओं द्वारा सोनिया गांधी को पार्टी की दिशा-दशा सुधारने के लिए पत्र लिखने के बाद उनके साथ दिल्ली में जैसा दुर्व्यवहार हुआ, वह किसी से छिपा नहीं है,लेकिन हद तो तब हो गई जब इन नेताओं के खिलाफ कांग्रेस की राज्य इकाइयों में भी विद्रोह की चिंगारी को जबर्दस्ती सुलगा दिया गया। इसी के चलते सोनिया को पत्र लिखने वालों में से एक उत्तर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता औ पूर्व केन्द्रीय मंत्री जितिन प्रसाद को प्रदेश कांग्रेस की राज्य और जिला इकाइयों द्वारा बार-बार अपमानति किया गया। जितिन प्रसाद को अपमानित कराए जाने के पीछे प्रियंका वाड्रा का नाम सामने आ रहा है। सोनिया को लिखे पत्र की आड़ लेकर यूपी कांग्रेस में यहां के भी पुराने नेताओ के खिलाफ विरोध की चिंगारी पनपने लगी है। इस चिंगारी को प्रियंका द्वारा खूब हवा दी जा रही है। वर्ना जितिन प्रसाद सहित कुछ और पुराने दिग्गज कांग्रेसियों को अपमानित करने का सिलसिला ऐसे ही नहीं चलता रहता। कांग्रेस में पत्र प्रकरण धमाके के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस में काफी दिनों से चल रही बदलाव की बयार ने और भी स्पीड पकड़ ली है। यह बदलाव संगठन में चेहरों के साथ ही पार्टी के तौर-तरीकों में भी देखने को मिल रहा है,जिन पुराने कांग्रेसियों को यह बदलाव रास नहीं आ रहे हैं,उन्होंने पार्टी से दूरी बना ली है। दरअसल, जब से प्रियंका वाड्रा ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के रूप में कमान संभाली है,तब से कांग्रेस के पुराने और सोनिया-राहुल के वफादार नेताओं को साइड लाइन किए जाने का खेल चल रहा है। सबसे पहले प्रियंका ने पार्टी के प्रदेश नेतृत्व में बदलाव किया। उसके बाद प्रदेश से लेकर जिला संगठन इकाइयों में भी अपनी पंसद के लोग रखना शुरू कर दिया। यूपी कांग्रेस में सभी महत्वपूर्ण पदों पर प्रियंका की विचारधारा के लोगों को तरजीह देने का आरोप लम्बे समय से लग रहा है। कहा यह भी जा रहा है कि प्रियंका के आने के बाद संगठन में ऐसे नेताओं को आगे किया जा रहा है, जिनकी सियासी जमीन ही नहीं है। इसी लिए कांग्रेस का जनाधार खिसकता जा रहा है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के बड़े धड़े को लगता है कि दिल्ली में सोनिया-राहुल के पास इतना समय ही नहीं है कि वह यूपी कांग्रेस का विवाद सुलझा पाएं। प्रदेश कांग्रेस के कई नेता यह आरोप भी लगा रहे हैं कि प्रदेश का नेतृत्व प्रियंका के हाथों में आने के बाद से पार्टी में बातचीत के दरवाजे बंद हो गए हैं।

आंगनवाड़ी कार्यकत्रीयों पर सेवा निवृत्ति के लिये दबाव डाला जा रहा

लखनऊ, संवाददाता। माननीय मुख्यमन्त्री तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. इन्दिरा गाँधी ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण योजना की शुरूआत करते हुये दिनांक- 02 अक्टूबर, 1975 को समन्वित बाल विकास परियोजना की शुरूआत की थी, जिसमें 0-6 साल के बच्चे, गर्भवती महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य की देखभाल एवं उनका पोषण हो सके। इसके लिये आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना की गयी, और उसके संचालन हेतु आंगनवाड़ी कार्यकत्री, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकत्री, आंगनवाड़ी सहायिकाओं के पदों पर नियुक्ति की गयी। और इन्हें जीवन यापन हेतु ''मानदेय'' दिया जाता है। निम्नलिखित कुछ महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ, प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास के दिनांक- 04 सितम्बर, 2012 के पत्र के अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, आंगनवाड़ी सहायिकाओं की सेवायें 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर समाप्त हो जायेंगी। वर्ष 2013 में माननीय उच्च न्यायालय में इनके 65 वर्ष में सेवानिवृत्ति का एफिडेविट दिया गया। अण्डर सेक्रेटरी भारत सरकार ने भी 65 वर्ष में इन्हें सेवानिवृत्त किये जाने हेतु प्रस्तावित किया। निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उ.प्र. के दिनांक- 08.08.2013 के पत्र के अनुसार शासन के अग्रिम आदेशों तक 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी इन कर्मियों को मानदेय का भुगतान किया जाता रहे। गरिमा यादव, विशेष सचिव के पत्र दिनांक-22 जुलाई, 2020 द्वारा पुनः इन्हें 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर सेवानिवृत्त करने का आदेश दिया। कई को 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर सेवा निवृत्त भी कर दिया गया है तथा जो संघर्ष कर रही है उन पर सेवा निवृत्ति के लिये दबाव डाला जा रहा है और परेशान किया जा रहा है। इस समय प्रदेश में 2 लाख 01 हजार 259 केन्द्र स्थापित है, तथा कुल 3 लाख 54 हजार 259 आंगनवाड़ी, मिनी आंगनवाड़ी एवं सहायिका कार्यरत हैं। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के अभाव में कई आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पद रिक्त है और एक-एक आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को दो-दो या तीन-तीन केन्द्रों का प्रभार दिया गया है, ऐसी स्थिति में केन्द्र संचालन में भी बाधा आ रही है। आपसे आग्रह है कि कृपया आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, आंगनवाड़ी सहायिकाओं की महत्वपूर्ण उपयोगिता को देखते हुये, तथा अण्डर सेक्रेटरी भारत सरकार के प्रस्ताव एवं मा. उच्च न्यायालय में दिये गये एफीडेविड को दृष्टिगत रखते हुये इनके सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष निर्धारित किये जाने हेतु प्रभावी आदेश देने का कष्ट करें।

फेसबुक पर हेट स्पीच और उसकी अनदेखी

फेसबुक पर हेट स्पीच और उसकी अनदेखी का मामला जिस तरह गरम होता जा रहा है, उससे यह सवाल तुरंत जवाब की मांग करने लगा है कि यह आगे कौन-सा रूप लेगा और हमारे लोकतंत्र के साथ लोगों के जानने और बताने के अधिकार को कितना प्रभावित करेगा? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मानें तो हेटस्पीच में सबसे अग्रणी भूमिका भारतीय जनता पार्टी के वे कार्यकर्ता निभा रहे हैं, जिन्हें खासतौर से उसकी ट्रेनिंग दी जाती है ताकि वे घृणा की ऐसी धारणाओं का विस्तार कर सकें, जिन्हें वे लोग बर्दाश्त करने को बाध्य हों, जो किसी भी दृष्टि से उसके पात्र नहीं। बहरहाल, हेट स्पीच अब किसी खास अंचल या राज्य तक सीमित नहीं रह गई, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों में फैलती जा रही है। अब तो यह भी साफहै कि इनके मनमाफिक प्रचार के लिए इसका धंधा चलाने वाले लोग अपने स्वार्थों के प्रति किस हद तक सचेत हैं। उनके कारण पूरा सोशल मीडिया ही बदनाम हो रहा है और लोगों में यह धारणा घर करने लगी है कि हेट स्पीच में वह भी अपनी भूमिका निभाने में पीछे नहीं है। तो क्या इस मीडिया पर प्रतिबन्ध लगाया जाये? इसकी हामी तो वे लोग भी नहीं भरते जो सिद्धान्त रूप से इसका दुरुपयोग किये और हेट स्पीच का मंच बनाये जाने के विरोधी हैं। उनका भी कहना है कि सोशल मीडिया जानकारियां और अभिव्यक्तियां करने का जनमंच है। इस मीडिया के आने तक इस तरह के माध्यम कुछ हाथों में ही केन्द्रित थे, लेकिन अब इसके विस्तार से स्थिति बदल गई है। लेकिन दूसरी ओर यह भी कहा जाता है कि कुछ लोग इस मीडिया को घृणा, झूठ और निन्दा वगैरह के प्रसार के अपने वास्तविकता विरोधी अभियानों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। उनकी सुविधा यह है कि इस मीडिया का प्रभाव सीमित नहीं है जबकि अपने प्रचार के साधन के रूप में इसके इस्तेमाल के लिए किसी बड़े खर्च की आवश्यकता भी नहीं होती। इसके चलते यह निरंतर अनेक हाथों में फैलता जा रहा है, जिसमें मोबाइलों की बड़ी भूमिका है। अभी कौन, कब, किस प्रकार और किस रूप में इसका उपयोग करेगा, इस

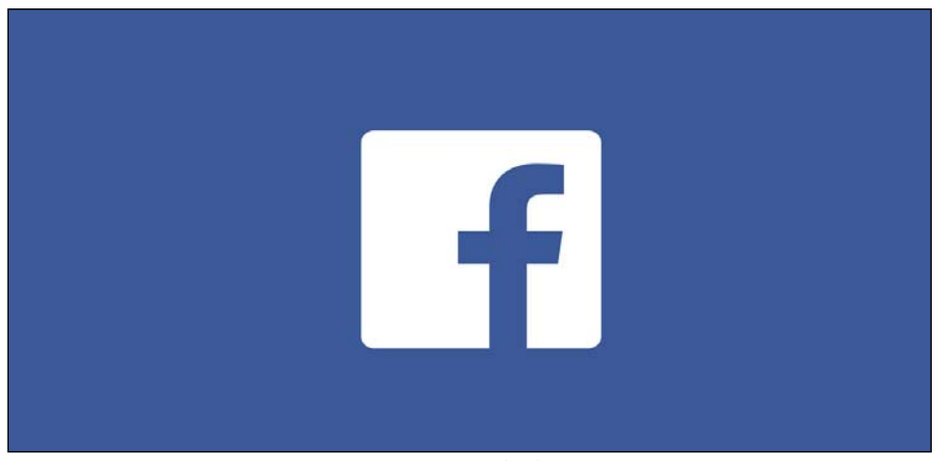

सम्बन्धी नियम-कायदे बनाकर उनके नियमन व नियंत्रण की कोई तार्किक व्यवस्था संभव नहीं हो पाई है। ऐसे में जहां एक ओर कहा जा रहा है कि ऐसी कोई व्यवस्था कर इस निरंकुश मीडिया पर अंकुश का रास्ता खोजा जाना चाहिए, तो दूसरी ओर यह अन्देशा भी व्यक्त किया जा रहा है कि अंकुश लगाकर कुछ लोग इसे निरर्थक बनाना चाहते हैं। ये वे लोग हैं, जिनके पास ऐसे दूसरे साधन भी हैं। फिलहाल, दोनों तरह के तर्कों के बीच प्रतिस्पर्धा-सी शुरू हो गई है, लेकिन इसका सबसे चिन्तनीय पहलू सामाजिक रूप से दूसरों को बदनाम करने और नुकसान पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया के दुरुपयोग का है। इसलिए बार-बार कहा जा रहा है कि जैसे भी बने, इस दुरुपयोग पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। यों, यह समस्या संवाद और संचार के सारे माध्यमों को लेकर है कि कुछ लोग निरंतर उन्हें अपने व्यवसाय के साधन के रूप में प्रयुक्त कर रहे हैं, जिससे वे निर्दोष नहीं रह गये हैं। जाहिर है कि सकल संवाद व संचार व्यवस्था को निर्दोष बनाना है तो यह कोई आसान काम नहीं है। क्योंकि उसके साथ ऐसे व्यापक स्वार्थ जुड़े हुए हैं, जो लाभार्जन की भावनाओं से ग्रस्त हैं। संवाद या अभिव्यक्ति के माध्यमों को लेकर माना यही जाता रहा है कि वे वृत्ति, व्यवसाय या आजीविका नहीं बल्कि सार्वजनिक उपयोगिता सेवा हैं। कोई दो राय नहीं कि आज इस सेवा और उसके स्वरूप को सबसे अधिक प्रभावित वही कर रहे हैं, जो लाभ के लिए उसके दुरुपयोग पर उतारू हैं। हां, इस दुरुपयोग के बावजूद संवाद माध्यमों का प्रसार निरन्तर बढ़ता जा रहा है, लेकिन उन्हें दोषमुक्त और उपयोगी तो तभी माना जा सकता है, जब वे सही और वास्तविक सूचनाओं के वाहक बनें। लेकिन आज चाहे प्रिन्ट मीडिया हो, चाहे इलेक्ट्रानिक या कोई और, वास्तविकता से वैर के कारण उनमें दोष घर कर ही गये हैं। यही कारण है कि खुद को बड़ा कहने वाले समाचार पत्र भी पेड न्यूज के प्रकाशन से नहीं बच पा रहे और उन्हें छापने के लिए अपनी स्थिति का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसके चलते अभी तक पेड न्यूज पर कोई अंकुश संभव नहीं हो पाया है। उत्तरप्रदेश विधानसभा के एक सदस्य का निर्वाचन इसलिए रद्द कर दिया गया, क्योंकि उसने चुनाव में बड़े पैमाने पर पेड न्यूज का उपयोग किया था। लेकिन इस सिलसिले में जिन समाचारपत्रों ने बेशर्मी से पेडन्यूज छापी और उसका व्यावसायिक लाभ उठाया, उनकी पहचान के बाद भी उनकी ओर कोई उंगली नहीं उठी, जबकि पेड न्यूज छपवाना दंडनीय अपराध है तो उसे छापना भी दंडनीय होना चाहिए। बिहार विधान सभा की ओर से निर्वाचन अधिकारियों ने पेड न्यूज की प्रवृत्ति के 18 मामले प्रेस कौंसिल आफइंडिया को सुपुर्द किये थे। लेकिन उनमें पेड न्यूज पर खर्च करने वाले भले ही नुकसान उठाने वालों में आ गये हों, जो समाचार पत्र स्वामी अपने पत्रों में पेड न्यूज छापकर आर्थिक लाभ उठा रहे थे, उन पर अंकुश लगाने का सवाल अनसुलझा ही रह गया। हालांकि इस प्रवृत्ति को रोकने का सबसे कारगर उपाय यह था कि इसके प्रकाशन को दण्डनीय बनाया जाये। प्रिन्ट मीडिया के अलावा जब से इलेक्ट्रानिक मीडिया का उदय हुआ और अब डिजिटल या सोशल मीडिया के रूप में विकास हुआ है, उनकी निर्दोषिता के लिए भी अभी तक कोई प्रभावी उपाय नहीं ढूंढा जा सका है। फेसबुक पर हेट स्पीच के मामले पर लौटें तो उसका सबसे अधिक सहारा राजनीतिक दलों के नेता ले रहे हैं- अपने विरोधियों को बदनाम करने के लिए। इसके खिलाफ अभी तक कोई कानून नहीं बन पाया है। यहां कहा जा सकता है कि फेसबुक नये युग की नई देन है, जिसका वास्तविकताओं के तेज प्रचार के लिए भी उपयोग हो सकता है। लेकिन इस बात का क्या किया जाये कि उसका इस रूप में विस्तार ही नहीं हो रहा है कि पूरा समाज वैकल्पिक माध्यम के रूप में उसका उपयोग कर सके। इसलिए कई नेताओं और सार्वजनिक कार्यकर्ताओं को अपने फेसबुक अकाउंट बन्द करने पड़े हैं।आज आवश्यकता इस बात की है कि फेसबुक जैसे माध्यमों के जानकार, साथ ही व्यवसाय के रूप में उनका प्रयोग करने वाले उनकी शुद्धता, पवित्रता और जनउपयोग सुनिश्चित करने के लिए अपेक्षित सुधारों की ओर बढ़ें। लेकिन कठिनाई यह है कि वे अपने को बहुत शक्तिशाली मानते हैं और अपने माध्यमों के दुरुपयोग की प्रवृत्तियों पर अंकुश की दिशा में बढ़ना ही नहीं चाहते। यह भी नहीं समझते कि उनके माध्यमों की उपयोगिता बढ़ने के बजाय दुरुपयोग का विस्तार करने वाली स्थितियां बनीं, तो पूरे समाज के साथ उनको भी लाभ के बजाय हानि ही होगी। इन हालात में सरकार को भी अपने दायित्व निभाने ही होंगे, क्योंकि विधि और व्यवस्था के संचालन की जिम्मेदारी अंततरू उसी की है। इसलिए बेहतर होगा कि वह भी अपने दायित्वों के निर्वाह की ओर अग्रसर हो।

सम्पादकीय

लोगों की ताकत बनती तस्वीरें

ढाई महीने के भीतर ही ऐसी दो घटनाएं हुईं, जिन्होंने नागरिक अधिकारों की दुहाई देने वाले अमेरिका को पूरी तरह हिला दिया। पहली घटना मिनियापोलिस में हुई, जहां जॉर्ज फ्लॉयड नाम के अश्वेत की एक निरंकुश पुलिस अधिकारी ने अपने घुटने से गरदन दबाकर हत्या कर दी। इससे शुरू हुआ उबाल अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि पिछले सप्ताह विस्कॉन्सिन में पुलिस ने दिन-दहाड़े अश्वेत युवक जैकब ब्लैक को पकड़कर गोली मार दी। इन दोनों ही घटनाओं ने अमेरिका के अश्वेतों को ही नहीं, बल्कि कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन की वजह से पहले ही कई तरह के दबाव झेल रहे वहां के समाज को झकझोर दिया। दो अश्वेत नौजवानों और पुलिस के जालिम अधिकारियों के अलावा इन दोनों ही मामलों में एक और पात्र भी है, जिसने इन घटनाओं के प्रसार और उनका नैरेटिव तैयार करने में बड़ी भूमिका निभाई। वह है, स्मार्टफोन का कैमरा। अगर इन घटनाओं की लाइव रिकॉर्डिंग न हुई होती, तो पुलिस इन्हें कई तरह की लीपा-पोती से रफा-दफा कर चुकी होती। कुछ संगठन, कुछ कार्यकर्ता भले इन मामलों को उठाते और चिल्लाते रहते, लेकिन कुछ ही समय में यह बात आई-गई हो जाती। स्मार्टफोन कैमरों ने न सिर्फ इन घटनाओं के वीडियो बनाए, बल्कि पलक झपकते ही उन्हें पूरी दुनिया में फैला भी दिया। वीडियो बनाने वाले ये लोग कोई पेशेवर फोटोग्राफर नहीं थे। वे राह चलते लोग थे। घटना उन्हें विचलित कर रही थी, इसलिए उन्होंने उसे अपने फोन के कैमरे में दर्ज कर लिया। इन राह चलते लोगों के अलावा मिनियापोलिस की घटना का एक और वीडियो भी उपलब्ध है, जो घटनास्थल के पास के एक व्यवसायिक प्रतिष्ठान के सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हुआ था। यह हमारे रोजमर्रा के जीवन में कैमरे के विस्तार का एक और आयाम है। फोटोग्राफी का इतिहास जब पढ़ाया जाता है, तब उसमें यह बताया जाता है कि कैमरे ने घटनाओं, लोगों, स्थितियों और उनके आस-पास के माहौल को पूरी सटीकता से याद रखना आसान बना दिया है। लेकिन ये घटनाएं बता रही हैं कि कैमरा अब उससे कहीं आगे जा चुका है। अब वह इतिहास भी बनाने लगा है। दुनिया के बहुत सारे आंदोलन, बहुत सारे जन-उबाल ऐसे रहे हैं, जिनमें लोगों के सामूहिक दर्द को सतह पर ले आने और उन्हें एक मकसद में बांध देने का श्रेय संवेदनशील कवियों, ओजस्वी वक्ताओं और कई दार्शनिकों, चिंतकों को दिया जाता है, लेकिन अमेरिका में अश्वेतों के समर्थन में जो आंदोलन दिख रहे हैं, उनका श्रेय अगर किसी को दिया जा सकता है, तो वह स्मार्टफोन वीडियो को। वे वीडियो ऐसे लोगों ने बनाए हैं, हम जिनके बारे में, जिनकी प्रतिबद्धता के बारे में नहीं जानते। अभी आप यू-ट्यूब पर जाकर ऐसे वीडियो देखने के साथ ही उन्हें बनाने वालों के नाम भी जान सकते हैं, लेकिन समय बीतने के साथ हम उनके नाम भूल जाएंगे, इतिहास में बस वह लहर ही दर्ज होगी, जिसके चलते लाखों लोग सड़कों पर निकल आए। फोटोग्राफी के 200 साल के इतिहास का यह अनूठा दौर है, जब तकरीबन हरेक हाथ में एक कैमरा है और वह हर समय तैयार है। वह सिर्फ तस्वीरें खींचने और वीडियो बनाने का काम ही नहीं कर सकता, बल्कि उन्हें तुरत-फुरत पूरी दुनिया में फैला भी सकता है। भले ही स्मार्टफोन कैमरे की ढेर सारी आलोचनाएं होती है- यह निजता को भंग करता है, जीवन को एक नई तरह की ऊब देता है, समारोहों या यात्राओं के दौरान लोग माहौल का आनंद लेने की बजाय सारा समय फोटो खींचने में बर्बाद कर देते हैं, कुछ तो सिर्फ इसलिए कि दुनिया को यह दिखा सकें कि वे वहां आनंद लेने आए थे। फोटोग्राफी के मंजे हुए कलाकार इसे कला की हत्या की तरह भी देखते हैं। उनकी बहुत सारी आपत्तियां जायज भी हो सकती हैं। महंगे आईफोन से फोटो खींचने वालों को न फोकस की चिंता होती है और न फ्रेम का शऊर। सेल्फी लेते समय लोग इतना ज्यादा सचेत हो जाते हैं कि उनकी आड़ी-टेढ़ी शक्लों से फेसबुक और इंस्टाग्राम भरे पड़े हैं। पर लोग लगातार तस्वीरें खींच रहे हैं और खूब खींच रहे हैं, जो पसंद आ रहा है उसकी भी, और जो नहीं पसंद आ रहा है, उसकी भी। पेशेवर कैमरा हर जगह मौजूद नहीं हो सकता, पर स्मार्टफोन कैमरा हर उस जगह मौजूद है, जहां लोग आते-जाते हैं। पिछले एक दशक में हमें एक ऐसी पीढ़ी मिल गई है, जो सबसे ज्यादा तस्वीरें खींच रही है, सबसे ज्यादा वीडियो बना रही है। यह एक ऐसी पीढ़ी है, जिसके पास सबसे ज्यादा तस्वीरें हैं, अपनी, अपने दोस्तों की, घर वालों की, पास-पड़ोस की, जानवरों की, पेड़-पौधों की। मानव जाति के पूरे इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ। इतिहास लेखन में एक परंपरा रही है ओरल हिस्ट्री की। इसमें अतीत को उन लोगों की यादों के जरिए खंगालने की कोशिश की जाती है, जो किसी खास घटनाक्रम से गुजरे हैं। इस परंपरा से अतीत के उन आयामों तक पहुंचने की कोशिश की जाती है, जो अक्सर इतिहासकारों के अकादमिक अध्ययन से ओझल रह जाते हैं। इस समय जिस तरह से तस्वीरें खींची जा रही हैं, उनसे लगता है कि जल्द ही विजुअल हिस्ट्री की एक नई परंपरा शुरू होगी। भविष्य के इतिहासकार फेसबुक, यू-ट्यूब, गूगल फोटो, इंस्टाग्राम, फ्लिकर, ड्रॉपबॉक्स वगैरह को खंगालते हुए अतीत को जाननेके लिए जूझते दिखाई देंगे। जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद ही हमें एक दूसरी तस्वीर भी दिखाई पड़ी थी, जिनमें अमेरिका के कई प्रांतों में पुलिस वाले सामूहिक तौर पर घुटने के बल सिर झुकाए शोक की मुद्रा में दिख रहे थे। शायद पुलिस को बहुत जल्दी समझ में आ गया कि अगर तस्वीर आग भड़का सकती है।

कांग्रेस: बहस को अवसर दीजिए

मीडिया ने भले ही कहा हो पर कांग्रेस में तूफानी मीटिंग करने की संस्कृति बहुत पहले बदल गई। वर्षों की सत्ता ने हमें यथास्थितिवादी बना दिया। परिस्थितियों से समझौता कर लेते हैं, अपने लिए सुरक्षा देख लेते है। कोई थोड़े बहुत जिहादी निकल भी जाए तो उन्हें किनारे कर लेना कोई बड़ी बात नहीं है। हम भूल गए कि हम परिवर्तन लाने वाली पार्टी रहे हैं। हमने खुद को चुनाव लड़ने वाली ऐसी मशीन में बदल लिया है जिसकी टेक्नोलॉजी अब काम नहीं कर रही। नये विचार, ताजा हवा की गुंजाइश कम हो गई है। ऐसे में 23 नेताओं का पत्र लिख देना ही एक बड़ी घटना हो गई। चलो कोई बोला तो। तब वही होना था जो हुआ। सारी बात गांधी परिवार के प्रति निष्ठा पर जा कर टिक गई। यहां जरूर हमने अपना भाजपाईकरण कर लिया। यदि बात उन्हें नहीं सुहाए तो तो राष्ट्रद्रोह ही है। मोदी भक्ति और देश भक्ति में कोई फर्क नहीं रहा। एक दूसरे के पर्यायवाची हो गए। इर्द-गिर्द के लोग तर्क नहीं तो निष्ठा के नाम पर अपना महत्व जता कर अपना पद बचा लेते हैं। मुझे नहीं लगता इन नेताओं ने गांधी परिवार के खिलाफ लिखा होगा। सोनिया जी से जिस शालीनता की अपेक्षा थी उनने मीटिंग की समाप्ति वाले भाषण में बताई। तब भी कुछ लोग केवल अपना महत्व बनाये रखने के लिए वही कहते रहे जिसे केवल भाजपा की नकल ही कहा जा सकता है। हम निरंतर हार रहे हैं। हमारा वोट प्रतिशत गिर रहा है। मोदी जी ने समाज की सोच बदल दी। एक उम्मीद जगाई कि किसी दिन देश हिन्दू राष्ट्र बन सकेगा। इसी उम्मीद के आवरण में उनकी तमाम असफलताएं छिप रही हैं। हम समझा नहीं पा रहे सेक्युलेरिज्म क्यों जरूरी है। महात्मा गांधी की विरासत खतरे में है। नेहरू खलनायक हो गए। देश के बुद्धिजीवियों और गैरकांग्रेसी सेक्युलरवादियों को भी चिंता हो रहा है कि देश हिन्दू पाकिस्तान बन रहा है। वे भी कांग्रेस की और देख रहे हैं। सारी संस्थाएं तबाह हो रही हैं। तब सारी बात को वहां ले जाना जो मुद्दा था ही नहीं, क्या दर्शाता है। यही कि हम अभी भी समय की चुनौती को समझने को तैयार नहीं हैं।पत्र में लिखा नीचे से ऊपर तक चुनाव हों। आमूल चूल परिवर्तन हो। जिन्होंने पत्र लिखने वालों का विरोध किया क्या वे यह कहना चाहते थे कि राहुल गांधी निर्वाचित अध्यक्ष नहीं थे। यदि चुनाव हो तो भी शायद किसी नेता के लिए यह संभव ही नहीं कि वह गांधी परिवार को हरा दे। कुछ नेताओं ने पहले करके देख लिया। फिर विरोध क्यों? बात प्रक्रिया की है। जिस तरह निचले स्तरों चुनाव हो रहे हैं उसने जमीन से जुड़े संभावना वाले नेतृत्व को समाप्त ही कर दिया। परिक्रमा हमारी राजनीति की संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हो गई। हमारे पास दो मॉडल है। एक, जिस तरह मुख्य संस्था के चुनाव हो रहे हैं जिसके बारे में सार्वजनिक लिखना उचित नहीं होगा और दूसरे, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन और युवक कांग्रेस के चुनाव। अजीब सा विरोधाभास है। पत्र लेखकों का विरोध करने वाले चुनाव की प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं वहीं छात्र संगठन और युवक कांग्रेस के चुनाव का समर्थन भी कर रहे हैं। गलतियां होती हैं। हम क्यों नहीं स्वीकार करते कि दोनों प्रक्रिया अपने लक्ष्य हासिल करने में असफल रही है। व्यवस्था की समीक्षा और बदलाव पर बहस करने से हम बचना क्यों चाहते हैं। दिल्ली में बैठ कर कुछ नेता अपने पद बचा सकते हैं, पार्टी खतरे में जा रही है। भाजपा और संघ की संगठन क्षमता पर चर्चा कीजिये। ममता बनर्जी, शरद पवार और अरविन्द केजरीवाल किस तरह अपना संगठन खड़ा कर पाए। इस पर बात कीजिए हम ऐसा क्यों नहीं कर पाए। और समझाइये विपक्षी सेना का सामना करने में हम किस तरह सक्षम है। पंजाब के मुख्य मंत्री अमरिंदर सिंह जी भले ही विरोध करे, क्या यह सच नहीं है कि वे और भूपिंदर सिंह हुडा यदि तत्कालीन नेतृत्व का विरोध नहीं करते तो पंजाब और हरियाणा में कांग्रेस की यह स्थिति नहीं होती जो आज है। इंदिरा जी के जमाने के सशक्त केन्द्रीय संगठन के स्थान पर सोनिया जी ने जब प्रभार सम्हाला तो उन्होंने निचले स्तर को महत्व देना शुरू किया। क्या इस का बेजा फायदा क्षत्रपों ने नहीं उठाया। वे पार्टी के भीतर अपने विरोधियों को समाप्त करने में लग गए। आज नेता सिंधिया खानदान की निष्ठा की बात कर रहे हैं। जो सिंधिया कल तक 135 वर्ष की शानदार राजनैतिक विरासत की जगह अपने खानदान के 350 वर्ष के रिश्ते की बात करते थे और जनता बार-बार बता देती थी कि वह इस रिश्ते को नहीं मानती, उन्हीं सिंधिया को थोड़े से दिनों में भाजपा ने संघ का इतिहास सिखा दिया। कांग्रेस सोचे कि वह क्यों नहीं कर पाई। गए कल जब कुछ प्रतिबद्ध नेता बोल रहे थे कि हम भारत वर्ष का हिस्सा हैं किसी पुरानी रियासत का नहीं तो उनकी बात क्यों नहीं सुनी गई। सुनी गई होती तो आज कांग्रेस इस स्थिति में नहीं होती। देश के कांग्रेसियों में निराशा नहीं फैलती। शायद राजस्थान में प्रकरण नहीं दोहराया जाता।

जहां भी कांग्रेस कमजोर हुई वहां हमारे बनाये नए सामंतों के कारण हुई। जिस पार्टी को दल-बदल के राजनैतिक भ्रष्टाचार को मुद्दा बना कर चुनाव लड़ना था वहीं भाजपा के तीसरी पंक्ति और कांग्रेस को निपटा कर भाजपा में जाकर लौटने वाले नेताओं के दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। कोई बोलेगा? हम केवल चुनाव की सोचने लग गए। हमने कभी इसका जवाब ढूंढा कि दो लाख की कर्जा मुक्ति के स्थान पर 6 हजार क्यों पसंद आ रहे हैं। हम स्वीकार क्यों नहीं करते कि मोदी शाह ने समाज की सोच को बदल दिया। इस फिर बदल पाना ही हमारी चुनौती है। कोई और देश होता तो लाखों मजदूरों को बेहाल सड़क पर देख कर सरकार उलट देता। वहीं भारत में सरकार निश्चिन्त है और उसके नेता की लोकप्रियता में बढ़ोतरी हो रही है। और हम कांग्रेस

में है कि सारी बात को गांधी परिवार के प्रति निष्ठा की लड़ाई में बदल रहे हैं। क्या यही वह सोच नहीं है कि जिसने पार्टी के भीतर वे सारे प्लेटफार्म समाप्त करवा दिए जहां बात की जा सकती थी। वही लोग अब सार्वजनिक चर्चा पर एतराज कर रहे हैं। 23 पत्र लेखक मूर्धन्य नेता हैं। कांग्रेस के लिए जिंदगी खपाई है। पर वे भी यह तो भूल ही गए कि कांग्रेस की चुनाव नहीं होने से ज्यादा बड़ी कमजोरी तो उसका विचार धारा से पलट जाना है। कुछ नेताओं को भी अब लगने लगा है कि शायद हे हनुमान ज्ञान गुन सागर गाएं तो हनुमंत संजीवनी बूटी लाकर दे सकते हैं। बस वही एक आस रह गई है। और यह कौन कर रहा है। कल तक जिनके व्यवहार के कारण पार्टी की मुस्लिम परस्त छबि बन रही थी वही आज सॉफ्ट हिंदुत्व में रास्ता ढूंढ रहे हैं। 135 साल की शानदार विरासत वाली पार्टी की यह स्थिति, हमारी पहली चिंता होना चाहिए। राहुल जी ने अपने जयपुर के पहले महा अधिवेशन में कहा था कि जिस पार्टी के पास प्रधानमंत्री पद के लिए 4-4 नेता होते थे वही पार्टी आज हर स्तर पर नेतृत्व के लिए क्यों तरस रही है। जवाब पार्टी को भी ढूंढना था, राहुल जी को भी। पर ऐसा नहीं हो सका। ऐसा हो जाता तो पार्टी की बीमारी समझ में आ जाती। वे भी क्षत्रपों के माया जाल से बाहर निकल जाते। उन्होंने भी उम्र में हल ढूंढा। वे खुद ही देख लें। एक सचिन पायलट को छोड़ कर कोई ऐसा नेता बना जो इन स्थापित नेताओं को हिला सका? कोई नहीं। वे भी गलत रास्ते चल दिए। हल उम्र में नहीं, वैचारिक प्रतिबद्धता में है, जमीन से जुड़ पाने की क्षमता में है। जो दिल्ली में बड़े बन गए जमीन पर बहुत बौने थे। दूसरी तरफजिनमें वृक्ष बनने की क्षमता थी वे बोनसाई बना दिए गए। बैठें, बात करें, संवाद करें, हमें रास्ता जरूर मिलेगा। पर केवल कमजोर लोगों की भक्ति को कांग्रेस की आवाज बना देना हमें आत्महत्या की ओर ही ले जाएगा।

विदेशी निवेश के अनुकूल संसाधन

बड़े पर स्तर आत्मनिर्भरता की पहल को बढ़ावा देना आज की जरूरत है. कोरोना महामारी के कारण दुनियाभर में जैसी स्थितियां पैदा हो गयी हैं, उस लिहाज से आज अधिकतर देश बाहर से अधिक अंदर की तरफझांक रहे हैं. अमेरिका, चीन और ब्रिटेन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश आयात से ज्यादा देश में तैयार चीजों पर निर्भरता बढ़ा रहे हैं. वर्तमान दौर में, चूंकि अन्य देश भी आयात को कम करने का प्रयास कर रहे हैं, ऐसे में हम अपने देश में निर्यात को बहुत अधिक बढ़ा सकते हैं, ऐसा संभव नहीं है. ऐसे में हमारे पास एक ही विकल्प बचता है कि आत्मनिर्भरता की पहल को बढ़ावा देने के लिए हमें आयात को कम करना होगा. भारत की अधिक जनसंख्या भी बाजार के नजरिये से एक सकारात्मक पहलू है. देश के भीतर ही बड़ी संख्या में उपभोक्ता उपलब्ध हैं और हम चीजों को बेच कर अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं. यह आत्मनिर्भर भारत की ओर एक अच्छी कोशिश हो सकती है. इसके लिए हमें एक निश्चित समय सीमा में दूरदर्शी सोच के साथ सबसे पहले विनिर्माण के स्तर को बढ़ाना होगा.देश में सामान की खपत के लिए लोगों के पास पैसा होना भी जरूरी है. अभी बहुत से लोगों के पास आय नहीं है क्योंकि उनके पास रोजगार नहीं है. सरकार के पास भी इतने संसाधन नहीं हैं कि वह सभी को सालाना लाखों का पैकेज देकर रोजगार उपलब्ध करा सके. इसलिए वर्तमान में हमें छोटे पैमाने पर रोजगार पैदा करना होगा. अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में छोटे व मझोले उद्यमों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है. हालांकि यह क्षेत्र भी सभी लोगों को गुणवत्तापूर्ण रोजगार उपलब्ध नहीं करा सकता, लेकिन यह बेरोजगारी से बेहतर है. इस दिशा में सरकार की भी एक महत्वपूर्ण भूमिका है कि वह लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कैसी योजनाएं लाती है. बड़े-बड़े उद्योगपतियों पर सरकार का नियंत्रण बहुत कम है,

इसलिए सरकार उनसे रोजगार सृजन की उम्मीद नहीं कर सकती. इसलिए लघु एवं मध्यम उद्योगों की ओर ही ध्यान देना पड़ेगा. कोरोना काल में बहुत से छोटे उद्योग बंद हो गये हैं. सरकार को इन्हें फिर से जीवंत करने के लिए उन तक पैसा पहुंचाना होगा. बीते दिनों घोषित पैकेज में कुछ अच्छे उपाय घोषित हुए हैं, पर आगे ऐसी और पहलों की जरूरत होगी. आत्मनिर्भरता की पहल को बढ़ावा देने के लिए कहा जा रहा है कि हम बड़े स्तर पर निर्यात करेंगे और आयात को कम कर देंगे, परंतु वाकई में ऐसा संभव नहीं है. भारत विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है, इसलिए ऐसा नहीं है कि भारत जब भी चाहे किसी भी देश से आयात और निर्यात को अपनी इच्छानुसार एकदम बंद कर सकता है. सही मायने में यदि हम आयात कम करना चाहते हैं, तो हमें ऐसे क्षेत्रों को चुनना होगा, जिनमें हम अधिक आयात कर रहे हैं, जैसे कि मशीनरी. हमें इनके उत्पादन के लिए बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां लगानी होंगी ताकि आयात पर निर्भरता कम हो सके. अभी यदि बाहर से कोई हमारे देश में फैक्ट्री लगाना चाहता है, तो हमें उसका स्वागत करना चाहिए, क्योंकि इससे भी कुछ हद तक रोजगार बढ़ेगा. लेकिन प्रश्न यह उठता है कि विदेशी कंपनियां भारत में फैक्ट्री क्यों लगाना चाहेंगी? इसका अधिकतर उत्तर यही दिया जाता है कि भारत में श्रम लागत बहुत कम है. लेकिन दुनियाभर में देखा जा रहा है कि आनेवाले पांच-दस सालों में श्रम लागत एक प्रमुख कारक नहीं रह जायेगा. इसका सबसे बड़ा कारण है 'ऑटोमेशन'. श्रम के क्षेत्र में 'ऑटोमेशन' बढ़ जाने के बाद 100 लोगों का काम 5-10 लोग ही कर लेंगे. सस्ते श्रम के क्षेत्र में बांग्लादेश, इंडोनेशिया और फिलीपींस जैसे देश भी सस्ता श्रम उपलब्ध करा रहे हैं. इसलिए सस्ता श्रम भारत में विदेशी कंपनियों को बुलाने के लिए काफी नहीं होगा. आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए अभी हमें अपने आंतरिक संसाधनों को ही मजबूती प्रदान करनी होगी. हमें शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में व्यय करना होगा. अभी हमारे देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के रूप में हमारे पास जो पैसा आ रहा है, वह अधिकतर ऑनलाइन क्षेत्र में ही आया है, जैसे- गूगल, फेसबुक तथा अमेजन ने भारतीय बाजार में पैसा लगाने की घोषणा की है.बाकी बीच-बीच में फैक्ट्रियां लगने की खबरें आती रहती है, परंतु इसके कोई ठोस परिणाम देखने को नहीं मिले हैं. महामारी थमने के बाद ऐसी उम्मीद की जा सकती है कि कुकंपनियां भारत में निवेश करेंगी. अभी हमें सबसे पहले अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना होगा. जब तक हम विदेशी कंपनियों के अनुकूल देश में इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार नहीं करेंगे, तब तक हम बहुत अधिक निवेश की उम्मीद नहीं कर सकते हैं.अभी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के दो फायदे हैं- पहला, आप विदेशी कंपनियों को एक ढांचा तैयार कर दे रहे हैं और दूसरा, कंपनियां आने से देश में रोजगार बढ़ेगा और लोगों के पास पैसा पहुंचेगा. आय होने के बाद वे चीजें खरीदेंगे और इससे अर्थव्यवस्था में तेजी आयेगी. सरकार को इस दिशा में अपने वादों और दावों को अमल में लाने के लिए तुरंत पहलकदमी करने की जरूरत है क्योंकि महामारी की वजह से देश में और वैश्विक स्तर पर आर्थिकी और बाजार के स्वरूप में तेजी से बदलाव होंगे.

सार समाचार ....

बाबर आजम ने टी-20 क्रिकेट में रचा इतिहास

लंदन **एजेंसी।** दूसरे टी-20 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर 3 टी-20 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है. सीरीज का आखिरी मैच 1 सितंबर को खेला जाएगा. बता दें दि दोनों टीमों के बीच खेला गया पहला टी-20 मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था. मैनचेस्टर में रविवार को खेले गए मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया. पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 195 रन बनाए. पाकिस्तान की ओर से कप्तान बाबर आजम ने 44 गेंद पर 55 रन, मोहम्मद हफीज ने 36 गेंद पर 69 रन बनाए, जिसके कारण पाकिस्तान टीम 20 ओवर में 195 रन बना पाने में सफल रही, फखर जमां ने 36 रनों की पारी खेली. 196 रन के लक्ष्य को इंग्लैंड टीम ने 20वें ओवर की पहली ही गेंद पर हासिल कर लिया. इंग्लैंड ने 19.1 ओवर्स में 5 विकेट पर 199 रन बनाकर मैच जीत लिया. इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा कप्तान इयोन मॉर्गन ने बनाए. मॉर्गन ने 33 गेंद पर 66 रनों की पारी खेली, इंग्लिश कप्तान के अलावा डेविड मलान ने 36 गेंद पर 54 और बेयरस्टो ने 24 गेंद पर 44 रन बनाकर इंग्लैंड टीम के लिए जीत निश्चित कर दी. पाकिस्तान की टीम को दूसरे टी-20 में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा लेकिन पाकिस्तान के कप्तान ने अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान टी-20 इंटरनेशनल में 1500 रन बनाने का कमाल कर दिखाया. आजम ने केवल 39वें टी-20 इंटरनेशनल पारी में 1500 रन पूरे किए. टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 1500 रन बनाने के मामले में बाबर ने दिग्गज विराट कोहली और एरोन फिंच की बराबरी कर ली. फिंच और कोहली ने भी टी-20 इंटरनेशनल में 1500 रन 39वें पारी में पूरा करने का कमाल कर दिखाया था. मोहम्मद हफीज ने भी टी-20 इंटरनेशनल में 2000 रन पूरा करने में सफल रहे. हफीज टी-20 इंटरनेशनल में 50 विकेट और 2000 रन बनाने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर बन गए हैं।

पावरप्ले में सबसे खतरनाक साबित होते हैं ये 5 बल्लेबाज

भोपाल एजेंसी। आईपीएल 2020 का शंखनाद हो चुका है. जिसके आधार पर इस साल के टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 19 सितंबर को यूएई (ं्श्व) के मैदान पर खेला जाएगा. इस बीच यहां आईपीएल इतिहास की ओर रुख किया जाए तो कुछ ऐसे बल्लेबाज हैं, जो आईपीएल में पावरप्ले का भरपूर फायदा उठाकर तबाड़तोड़ बैटिंग करते हैं. ऐसे में इस लेख में आइए जानते हैं आईपीएल इतिहास के उन 5 बल्लेबाजों के बारें में, जिन्होंने शुरुआती 6 ओवर में सबसे तेज स्ट्राइक रेट के साथ आतिशी खेल दिखाया है.

1- क्रिस लिन ऑस्ट्रेलिया के सबसे घातक ओपनर बल्लेबाज क्रिस लिन इस सूची में पहले स्थान पर हैं. लिन ने आईपीएल में पावरप्ले के दौरान सबसे अधिक 145.62 के तेजतर्रार स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए हैं. इसके अलावा अगर गौर किया जाए क्रिस लिन के आईपीएल करियर के स्ट्राइक रेट पर तो वह भी 140.65 का है, जो यह साबित करता है कि लिन इस लीग में कितने घातक बल्लेबाज हैं. क्रिस लिन पावरप्ले में 39 पारियों में 526 बॉल का सामना करते हुए 766 रन ठोंके हैं।

2- वीरेंद्र सहवाग भारत के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का पावरप्ले के तहत स्ट्राइक रेट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ-साथ इंडियन प्रीमियर लीग में भी बेहतरीन रहा है. वीरू ने आईपीएल में शुरुआती 6 ओवर में ताबड़तोड़ 144.16 के स्ट्राइक रेट से रन बटौरे हैं. इस दौरान वीरेंद्र सहवाग ने 103 पारियों में 1105 गेंद खेलते हुए 1593 रन बनाए हैं।

3- डेविड वॉर्नर ऑस्ट्रेलिया के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज डेविड वार्नर का नाम इस लिस्ट में ना हो तो यह संभव नहीं है. कंगारू ओपनर डेविड वार्नर ने आईपीएल इतिहास में पवारप्ले में 118 पारियों के दौरान 138.99 के स्ट्राइक रेट से सबसे अधिक 2299 रन बनाए हैं. इस बीच डेविड वार्नर ने 1654 गेंदों को खेला है. आईपीएल में पहले 6 ओवर के दौरान इतने रन बनाने वाले वार्नर एकमात्र बल्लेबाज हैं।

4- केएल राहुल मौजूदा समय में टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज के एल राहुल पावरप्ले के दौरान आईपीएल में सबसे बेहतरीन स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं. आईपीएल 2020 में किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान के एल राहुल ने पावरप्ले में 47 पारियां खेली है, जिसमें राहुल के बल्ले से 135.96 के स्ट्राइक रेट से 609 बॉल में 828 रन निकले हैं।

5- ऋद्दिमान साहा भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के विकेटकीपर ऋद्दिमान साहा आईपीएल में पहले 6 ओवर के दौरान काफी आक्रमक साबित होते हैं. ऋद्दिमान साहा के पावरप्ले स्ट्राइक रेट आंकड़ो पर गौर किया जाए तो, साहा ने 46 पारियों के तहत 446 बॉल में 135.65 के घातक स्ट्राइक रेट से 605 रन जड़े हैं।

जोकोविच के पास 18वां ग्रैंड स्लैम जीतने का मौका

न्यूयॉर्क | एजेंसी।

कोरोनावायरस के बीच टेनिस ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन आज से अमेरिका के न्यूयॉर्क में खेला जाएगा। टूर्नामेंट बगैर दर्शकों के होगा। यूरोप, दक्षिण अमेरिका और पश्चिम एशिया से खिलाड़ियों को चार्टर्ड प्लेन से न्यूयॉर्क लाया जाएगा। इस बार सबसे ज्यादा 20 ग्रैंड स्लैम विजेता स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर और दूसरे 19 ग्रैंड स्लैम चैम्पियन स्पेन के राफेल नडाल नहीं खेलेंगे। ऐसा 21 साल में पहली बार होगा, जब यह दोनों दिग्गज टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में सर्बिया के वर्ल्ड नंबर-1 नोवाक जोकोविच के पास 18वां ग्रैंड स्लैम जीतने का मौका है। फेडरर ने 1999 और नडाल ने 2003 में पहली बार यूएस ओपन खेला था। यूएस ओपन खिताब की बात करें, तो फेडरर ने पहला खिताब 2004 और नडाल ने 2010 में जीता था।

महेश भूपति ने 1999 में भारत को पहला खिताब दिलाया था

वहीं, टूर्नामेंट में भारतीय एंगल की बात करें, तो 5 साल से कोई इंडियन चैम्पियन नहीं बन सका है। भारत के लिए पिछली बार 2015 में लिएंडर पेस ने मिक्स्ड डबल्स में खिताब जीता था। भारत के लिए पहली बार महेश भूपति ने 1999 में मिक्स्ड डबल्स में जापान की आई सुगियामा के साथ यूएस ओपन खिताब जीता था।

इसके बाद लिएंडर पेस 2006 में मेन्स डबल्स स्पर्धा में चेक गणराज्य के मार्टिन डैम के साथ खेलते हुए चैम्पियन बने थे। भारत के लिए तीसरी चैम्पियन सानिया मिर्जा थीं। उन्होंने 2014 में मिक्स्ड डबल्स स्पर्धा में ब्राजील के ब्रूनो सोआरेस के साथ फाइनल जीता था।

140 साल के इतिहास में अब तक तीन भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 10 खिताब जीते। टूर्नामेंट में इन दिग्गजों पर नजर

नडाल और फेडरर के हटने के बाद जोकोविच को सिर्फ रूस के डेनिल मेदवेदेव, ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम और ग्रीस के स्टिफनोस सितसिपास से टक्कर मिल सकती है। वहीं, महिलाओं में वर्ल्ड नंबर-9 सेरेना विलियम्स को नंबर-10 नाओमी ओसाका, नंबर-4 सोफिया केनिन और नंबर-3 कैरोलिना प्लिस्कोवा कड़ी चुनौती देंगी। केनिन ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीता था। भारत की ओर से सुमित नागल दूसरी बार टूर्नामेंट में उतर रहे हैं। उनका पहला मुकाबला 1 सितंबर को मेन्स सिंगल्स में अमेरिका के ब्रेडली क्लान से होगा। युवा भारतीय टेनिस स्टार नागल को इस बार ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन में सीधे इंट्री मिली है। वे पहली बार सीधे मेन ड्रॉ में खेलेंगे। पिछली बार वे क्वालिफाई करके पहुंचे थे। तब सुमित पहले ही राउंड में उनके ड्रीम प्लेयर रोजर फेडरर से हारे थे।

वुमन्स और मेन्स सिंगल्स के डिफेंडिंग चैम्पियन नहीं खेलेंगे

कोरोना के कारण मेन्स सिंगल्स के डिफेंडिंग चैम्पियन नडाल और वुमन्स में कनाडा की बियांका एंड्रेस्कू टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। बियांका ने पिछली बार फाइनल में अमेरिका की सेरेना विलियम्स को हराकर खिताब जीता था। वहीं, नडाल ने रूस के दानिल मेदवेदेव को हराकर चौथी बार खिताब जीता था।

वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप-8 की 6 महिला खिलाड़ी भी नहीं खेलेंगी

वहीं, वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप-2 महिला खिलाड़ी पहले ही नाम वापस ले चुकी हैं। वर्ल्ड नंबर-1 एश्ले बार्टी, रोमानिया की वर्ल्ड नंबर-2 सिमोना हालेप, नंबर-5 एलिना स्वितोलिना, नंबर-6 बियांका एंड्रेस्कू, नंबर-7 किकि बेटेंस और नंबर-8 बेलिंडा बेंसिस।

1881 में पहली बार खेला गया था टूर्नामेंट

पहली बार यह टूर्नामेंट 1881 में खेला गया था। तब मेन्स सिंगल्स और डबल्स के मुकाबले खेले गए थे। 1887 में पहली बार महिला सिंगल्स और 1889 डबल्स के मुकाबले शुरू हुए। इसके बाद 1892 में मिक्स्ड डबल्स की शुरुआत हुई। पहले इसे यूएस टेनिस टूर्नामेंट के नाम से जाना जाता था। इसके बाद 1968 में इसका नाम यूएस ओपन पड़ा।

श्रीलंका के प्रमुख विपक्षी दल यूनाइटेड नैशनल पार्टी के प्रमुख बनेंगे पूर्व क्रिकेटर अर्जुन रणतुंगा

कोलंबो | एजेंसी।

श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर और 1996 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा अपने देश की विपक्षी पार्टी के नेता चुने जा सकते हैं। श्रीलंका की सबसे पुराने राजनीतिक पार्टी यूनाइटेड नैशनल पार्टी को हाल ही हुए संसदीय चुनाव में सबसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। इस बार यूएनपी एक भी सीट नहीं जीत पाई है और चुनाव हारने वालों में श्रीलंका के पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा भी शामिल हैं। इस शर्मनाक हार के बाद पूर्व प्रधानमंत्री रनिल विक्रमासिंघे ने पार्टी के नेतृत्व पद से इस्तीफा देना का फैसला किया है। वह बीते 26 साल से पार्टी का नेतृत्व कर रहे थे और यह उनके कार्यकाल में सबसे बुरी हार है। विक्रमासिंघे के लिए यह पहली बार होगा जब वह 1977 के बाद संसद के सदस्य नहीं चुने गए हैं। 1946 में बनी इस पार्टी की यह सबसे बुरी हार है। 225 संसदीय सीटों में इस पार्टी को सिर्फ 2 फीसदी वोट ही मिले और उनका कोई भी सदस्य इस बार सांसद नहीं बन पाया है। विक्रमसिंघे के इस फैसले के बाद पार्टी उनकी जगह कोई नया चेहरा तलाश रही है। इस रेस में हक्कके महासचिव और विक्रमसिघें के चचेरे भाई रुवान विजयवर्धने और पूर्व स्पीकर करु रजसूर्या का नाम भी आगे चल रहा है। 57 वर्षीय रणतुंगा ने हाल ही में बताया, चुनाव परिणामों के बाद पार्टी की कार्यकारी समिति की बैठक हुई है, जिसमें पार्टी के अध्यक्ष के लिए चार नाम प्रस्तावित किए गए हैं, जिनमें से एक नाम मेरा भी है। अगर मुझे पार्टी का नेतृत्व करने का मौका मिलता है तो मुझे बहुत खुशी होगी।

फ्रांस के टेनिस प्लेयर बेनुआ पेर का टेस्ट पॉजिटिव

नई दिल्ली , एजेंसी। टेनिस ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन आज से न्यूयॉर्क में शुरू होने जा रहा है, लेकिन उससे पहले ही टूर्नामेंट पर फिर कोरोना संकट मंडराने लगा। फ्रांस के स्टार प्लेयर बेनुआ पेर का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। वे टूर्नामेंट से हट गए हैं। यूएस ओपन में कोरोना का यह पहला मामला है। यह टूर्नामेंट कोरोना के कारण बायो-सिक्योर माहौल में बगैर दर्शकों के कराया जा रहा है। इससे पहले सबसे ज्यादा 20 ग्रैंड स्लैम विजेता स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर और दूसरे 19 ग्रैंड स्लैम चैम्पियन स्पेन के राफेल नडाल समेत कई दिग्गज टूर्नामेंट से नाम वापस ले चुके हैं। ऐसा 21 साल में पहली बार होगा, जब यह दोनों दिग्गज टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे।

इसी महीने वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन खेला था

बेनुआ पेर को यूएस ओपन में 17वीं सीड मिली है। वे पिछले हफ्ते ही न्यूयॉर्क आए हैं। इससे पहले उन्होंने इसी महीने वॉशिंगटन में वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन खेला था। तबीयत खराब होने के बाद वे अपने देश लौट गए थे। इसके बाद फ्रांस स्पोर्ट्स वेबसाइट ने बताया कि उनका कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। फिलहाल, वे सेल्फ आइसोलेशन में हैं।

साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम होगा यूएस ओपन

यूएस ओपन इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम है, जो शुरू होने जा रहा है। इससे पहले जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन हो चुका है, जबकि विंबलडन दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद पहली बार रद्द हो चुका है। वहीं, 21 सितंबर से फ्रेंच ओपन खेला जाएगा।

वुमन्स और मेन्स सिंगल्स के डिफेंडिंग चैम्पियन नहीं खेलेंगे

कोरोना के कारण मेन्स सिंगल्स के डिफेंडिंग चैम्पियन नडाल और वुमन्स में कनाडा की बियांका एंड्रेस्कू टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। बियांका ने पिछली बार फाइनल में अमेरिका की सेरेना विलियम्स को हराकर खिताब जीता था। वहीं, नडाल ने रूस के दानिल मेदवेदेव को हराकर चौथी बार खिताब जीता था।

वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप-8 की 6 महिला खिलाड़ी भी नहीं खेलेंगी

वहीं, वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप-2 महिला खिलाड़ी पहले ही नाम वापस ले चुकी हैं। वर्ल्ड नंबर-1 एश्ले बार्टी, रोमानिया की वर्ल्ड नंबर-2 सिमोना हालेप, नंबर-5 एलिना स्वितोलिना, नंबर-6 बियांका एंड्रेस्कू, नंबर-7 किकि बेटेंस और नंबर-8 बेलिंडा बेंसिस।

सौरव गांगुली के मुरीद हैं नीतीश राणा, दादा से जुड़ी हैं कई यादें

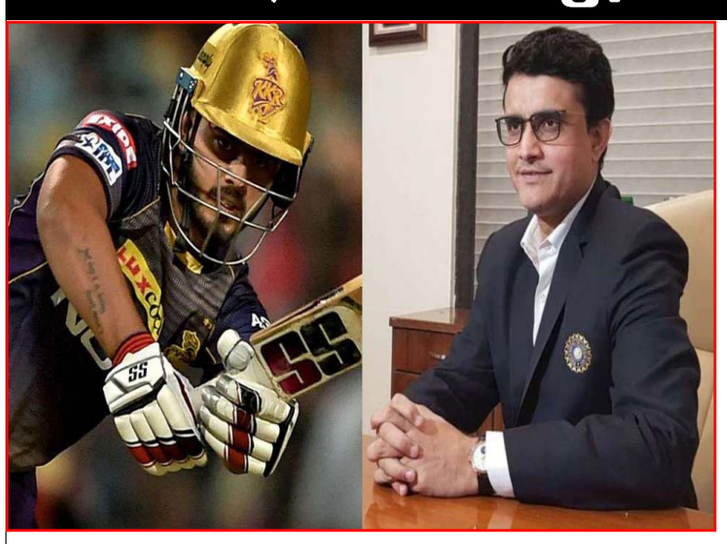

नई दिल्ली , एजेंसी।

कोलकाता नाइटराइडर्स के क्रिकेटर नीतीश राणा ने इस बात का खुलासा किया है कि वो बचपन से टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के फैन हैं, वो तब से दादा को पसंद करते हैं जब उन्होंने क्रिकेट को अपने करियर के रूप में भी नहीं चुना था. नीतीश मानते हैं कि उनका और गांगुली का बैटिंग स्टाइल एक जैसा है, इसलिए वो दादा से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करते हैं. नीतीश ने केकेआर के आधिकारिक वेबसाइट पर कहा, मैंने जब ये खेल खेलना शुरू भी नहीं किया था तब से मेरे परिवार में क्रिकेट को लेकर जुनून है. मेरे पिता सचिन तेंदुलकर के बहुत बड़े फैन हैं, मेरे बड़े भाई राहुल द्रविड़ के मुरीद हैं, और मैं सौरव गांगुली का प्रशंसक हूं. एक वक्त था जब दादा के जल्दी आउट हो जाने पर मैं रूम बंद करके रोता था. परिवार का ये रूटीन था कि गांगुली, द्रविड़ और सचिन में जो बेहतर खेलता था, उस हिसाब से हम एक दूसरे को चिढ़ाते थे. नीतीश ने ये भी कहा कि मैं हर गेंदबाज और बल्लेबाज के स्टाइल की नकल उतारने में माहिर था।

इसलिए मुझे हर कोई दादा की मिमिक्री करने को कहता था और मैं खुशी-खुशी ऐसा करते था. दादा की नकल करने से मुझे उनकी बैटिंग स्टाइल को सीखना काफी आसाना हो गया था. गांगुली के अलावा केकेआर के ये क्रिकेटर भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को भी काफी पसंद करते हैं।

आईपीएल 2020 से पहले किंग्स इलेवन का यह खिलाड़ी जबरदस्त फॉर्म में

18 ओवर में 92 रन पर आउट कर दिया। सेंट लूसिया की तरफ से तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे। बारबाडोस के लिए हेडन वाल्श ने तीन और रेमन रीफर ने दो विकेट लिए।

दिल्ली | एजेंसी।

आईपीएल 2020 से पहले किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ी निकोलस पूरन शानदार फॉर्म में हैं। निकोलस पूरन ने कैरेबियाई प्रीमियर लीग में अपने टी-20 करियर का पहला शतक जमाया है, जिससे गयाना अमेजॉन वारियर्स ने खराब शुरुआत से उबरकर टूर्नामेंट में सेंट कीट्स एंड नेविस पैट्रियट्स को 21 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट से हराया। वॉरियर्स ने 151 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए तीन विकेट 25 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद निकोलस पूरन ने 45 गेंदों पर चार चौकों और दस छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए. उन्होंने रोस टेलर (27 गेंदों पर नाबाद 25) के साथ चौथे विकेट के लिए 11.5 ओवर में 128 रन की अटूट साझेदारी की, जिससे वॉरियर्स 17.3 ओवर में तीन विकेट पर 153 रन बनाने में सफल रहा। इससे पहले पैट्रियट्स से पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर जोशुआ डी सिल्वा के 59 रन और दिनेश रामदीन के नाबाद 37 रन की मदद से पांच विकेट पर 150 रन बनाए थे। वॉरियर्स की सात मैचों में यह तीसरी जीत है जबकि पैट्रियट्स को छठी हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य मैच में सेंट लूसिया जॉक्स ने अपने कम स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करके बारबाडोस ट्रिडेंट्स को तीन रन से हराया। जॉक्स की यह सात मैचों में पांचवीं जीत है। बारबाडोस ने टॉस जीतकर सेंट लूसिया को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया और उसकी टीम को 18 ओवर में 92 रन पर आउट कर दिया। सेंट लूसिया की तरफ से तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे। बारबाडोस के लिए हेडन वाल्श ने तीन और रेमन रीफर ने दो विकेट लिए। बारबाडोस के सामने छोटा लक्ष्य था, लेकिन उसकी टीम सलामी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स के 42 गेंदों पर 39 रन के बावजूद निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 89 रन ही बना पाई। सेंट लूसिया की तरफ से केसरिक विलियम्स और जावेल ग्लेन ने दो-दो विकेट लिए। आखिरी ओवर में बारबाडोस को नौ रन की जरूरत थी, लेकिन रोस्टन चेज ने इस ओवर में केवल पांच रन दिए।

बार्सिलोना के साथ कॉन्ट्रैक्ट बरकरार

नई दिल्ली | एजेंसी।

अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर लियोनल मेसी (33) के स्पेनिश क्लब बार्सिलोना छोड़ने की खबर और भी पुख्ता हो गई, जब वे रविवार को क्लब के ट्रेनिंग ग्राउंड नहीं पहुंचे। यहां उन्हें पहले से तय शेड्यूल के मुताबिक, कोरोना टेस्ट भी कराना था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इसके बाद मेसी को बार्सिलोना को नए कोच रोनाल्ड कोमेन के साथ सोमवार से ट्रेनिंग शुरू करनी थी। इस पर स्पेनिश फुटबॉल टूर्नामेंट 'ला लिगा' की ओर से कहा गया कि मेसी का बार्सिलोना के साथ कॉन्ट्रैक्ट अभी बरकरार है। यदि मेसी इसे बीच में ही तोड़ते हैं, तो उन्हें 833 मिलियन डॉलर (करीब 609 करोड़ रुपए) चुकाने होंगे।

मेसी ने बार्सिलोना के लिए अक्टूबर 2004 को डेब्यू किया था

लियोनल मेसी ने बार्सिलोना के लिए 18 साल की उम्र में 16 अक्टूबर 2004 को डेब्यू किया था। इसके बाद वे इसी क्लब के लिए खेलते रहे। मेसी ने

बार्सिलोना के साथ 2017 में कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया था, जो जून 2021 में खत्म हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मेसी कभी भी क्लब छोड़ सकते हैं।

तय राशि चुकाने के बाद ही कोई खिलाड़ी बीच में करार तोड़ सकता है

ला लिगा के बयान ने मेसी और उन क्लब को झटका दिया है, जो स्टार स्ट्राइकर को खरीदना चाह रहे हैं। ला लिगा ने कहा, ''नियम के मुताबिक ला लिगा बतौर खिलाड़ी किसी को भी बीच में स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन के साथ डी-रजिस्टर्ड (करार तोड़ने) की मंजूरी नहीं देगा। यदि ऐसा करना है, तो प्लेयर को तय राशि चुकानी होगी।''

बार्सिलोना के लिए मेसी ने अब तक 634 गोल किए

15 अगस्त को ही चैम्पियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में जर्मनी के क्लब बायर्न म्यूनिख ने बार्सिलोना को 8-2 से हराया था। इस बड़ी हार के बाद मेसी ने क्लब छोड़ने के लिए मैनेजमेंट को दस्तावेज भेज दिए हैं। इसकी पुष्टि खुद क्लब ने की है। मेसी ने क्लब के लिए 731 मैच में 634 गोल दागे और 276 असिस्ट किए हैं। इस दौरान उन्होंने टीम को 10 ला लिगा और 4 यूईएफए चैम्पियंस लीग समेत 34 खिताब जिताए हैं।

इन चार क्लबों में मेसी को खरीदने की होड़

मैनचेस्टर सिटी~ सिटी चैम्पियंस लीग से बाहर हो चुका है। वह इस बार घरेलू लीग भी नहीं जीत सका। उसके कोच गुआर्डिओला बार्सिलोना को कोचिंग दे चुके हैं। ऐसे में वे इस खिलाड़ी को क्लब से जोड़कर सिटी को घरेलू और यूरोपियन चैम्पियन बनाना चाहते हैं।

इंटर मिलान~ मेसी के प्रतिद्वंद्वी रोनाल्डो इटली के क्लब युवेंटस से खेलते हैं। ऐसे में इंटर मिलान मेसी को जोड़कर एक बार फिर दोनों की क्लब राइवलरी शुरू करना चाहता है। मेसी के अर्जेंटीना के पुराने साथी जेवियर जानेटी बोर्ड के वाइस प्रेसिडेंट हैं।

नेवेल्स ओल्ड बॉयज~ अर्जेंटीना का यह क्लब मेसी का शुरुआती क्लब है। वे 6 साल की उम्र से इस क्लब से जुड़ गए थे और 500 गोल किए थे।

अल-साद~ कतर के क्लब के मैनेजर बार्सिलोना के पूर्व कप्तान जावी हैं। कतर में वर्ल्ड कप भी है। ऐसे में क्लब मेसी को जोड़कर माहौल बनाना चाहता है।

1180 करोड़ के साथ मेसी सबसे अमीर फुटबॉलर हैं

मेसी दुनिया के सबसे अमीर फुटबॉलर हैं। मेसी ने पिछले साल रोनाल्डो से 108 करोड़ रु. ज्यादा कमाए। मेसी की कमाई 120 मिलियन पाउंड (करीब 1180 करोड़ रुपए) है। वहीं, रोनाल्डो की कमाई 1072 करोड़ रुपए है। सिर्फ मेसी और रोनाल्डो ने कमाई में 100 मिलियन पाउंड का आंकड़ा पार किया है। मेसी ने रिकॉर्ड छठी बार बैलोन डी%ओर अवॉर्ड जीता मेसी पिछले साल 2 दिसंबर को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुने गए थे।

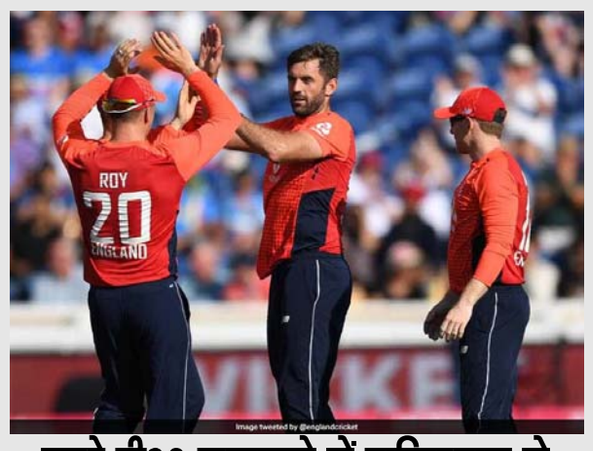

दूसरे टी20 मुकाबले में पाकिस्तान ने इंग्लैंड को दिया 196 का टारगेट

मैनचेस्टर , एजेंसी। इंग्लैंड से न्योता पाने के बाद पाकिस्तान ने मैनेचेस्टर में खेले जा रहे दूसरे टी20 मुकाबले में इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 196 रनों का टारगेट रखा है. कप्तान बाबर आजम ने 44 गेंदों पर 7 चौकों से 56 रन बनाए, तो अनुभवी मोहम्मद हफीज ने 36 गेंदों पर 69 रन की पारी खेली. इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में रविवार को यहां टास जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया. इन दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की श्रृंखला का पहला मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था और बिना किसी परिणाम के समाप्त हुआ था. दोनों टीमों ने अपनी अंतिम एकादश में कोई बदलाव नहीं किया है. तीसरा और अंतिम टी20 मैच एक सितंबर को ओल्ड ट्रैफर्ड में ही खेला जाएगा।

कंगना रनौत ने दुनाई अपने टैटू की कहानी, बताया- कितनी बार पेंज करवाई और कैसे आई इसमें जान

कभी सोशल मीडिया के नाम से कोसों दूर रहने वाली कंगना रनौत आज सुपर ऐक्टिव हैं। इन दिनों हर नई अपडेट वह सोशल मीडिया पर दे रही हैं। कभी बॉलिवुड और देश के अलग-अलग मुद्दों पर तो कभी अपने बारे में मजेदार बातें ट्विटर पर किया करती हैं कंगना। हाल ही में कंगना ने अपने टैटू को लेकर एक पोस्ट किया है। कंगना ने अपने इस पोस्ट के लिए अपने टैटू की तस्वीर भी शेयर की है। इस तस्वीर में उनके टैटू का क्लोजअप दिख रहा है, जो कि बेहद खूबसूरत नजर आ रहा है। कंगना ने यह टैटू करीब 2 दशक पहले बनावाया था, लेकिन समय-समय पर काफी सारे चेंजेज के बाद उनका टैटू अब फाइनल लुक में है। कंगना ने ट्विटर पर अपने आकर्षक टैटू के बारे में कुछ बातें लिखी हैं। कंगना ने कहा है, एक दशक से भी पहले मैंने अपनी गर्दन के ठीक नीचे दो विंग्स बनवाए थे, लेकिन इसका कोई मतलब नहीं निकला। फिर कुछ महीने बाद मैंने इसमें एक क्राउन बनवाया। लेकिन इसमें फिर भी कमी थी। इसके बाद मैंने इस पूरे टैटू के बीच तलवार बनवा दी और अचानक इसमें जान आ गई। चमक हमेशा दर्द के बाद ही आती है। कंगना ने हाल ही में ट्वीट कर अपनी मां की परेशानी भी बयां की। उन्होंने लिखा, कल रात माताजी को उत्सुकता से फोन करके पूछा, कैसा लगा इंटरव्यू तो वो रो पड़ीं, कहने लगीं मैं तुम्हारी शादी के लिए उपवास करती हूं तुम दुनियाभर में अपने साथ हुए गंदे हादसों को बताती रहती हो। अब फोन आ रहे हैं लगता है उनका रोना का नहीं रुलाने का इरादा है, क्या किया जाए?

दीपेश सावंत की चौट पर उठे सवाल, 14 जून को सुशांत सिंह राजपूत के दोस्त कुशल जावेरी से की थी बात

सुशांत सिंह राजपूत की मौत की जांच कर रही सीबीआई के रेडार पर सुशांत के आसपास रहने वाले लोग सबसे पहले हैं। इसी सिलसिले में सीबीआई ने सबसे पहले सुशांत के नजदीकी रहने वाले लोग जैसे फ्लैटमेट सिद्धार्थ पिठानी, कुक नीरज और स्टाफ दीपेश सावंत से पूछताछ की। हालांकि सूत्रों की मानें तो इन लोगों के बयान आपस में मैच नहीं कर रहे हैं। अब सुशांत के स्टाफ दीपेश सावंत का एक वॉट्सऐप चौट सामने आया है जो चौंकाने वाला है। हमारे सहयोगी चौनल टाइम्स नाऊ की रिपोर्ट के मुताबिक, सुशांत के स्टाफ दीपेश सावंत ने सीबीआई को दिए अपने बयान में बताया है कि 14 जून की दोपहर में सुशांत का कमरा बंद मिलने पर काफी अफरा-तफरी मच गई थी और वह काफी घबराए हुए थे। हालांकि अब उनका कुशल जावेरी को भेजा मेसेज सामने आया है जो इतना बेहद सामान्य है। दीपेश सावंत ने यह मेसेज दोपहर में 10 बजकर 51 मिनट पर किया था। यह वही टाइम है जबकि सुशांत के कमरे का दरवाजा खोलने का प्रयास किया जा रहा था और दीपेश के मुताबिक वह काफी घबराए हुए थे। दीपेश ने सुशांत के दोस्त कुशल जावेरी को मेसेज में लिखा, श्हाय सर, सुशांत सिंह राजपूत ने मुझे आपसे एक ई कॉमर्स कंपनी के बारे में संपर्क करने के लिए कहा था। इसके बाद कुशल जावेरी के कुछ मेसेज हैं। कुशल उस दिन लेट उठे थे और उन्हें तब सुशांत के निधन की खबर मिल गई थी। उन्होंने दीपेश को मेसेज भेजकर सुशांत का हाल भी पूछा। उन्होंने मेसेज में पूछा, श्भाई (सुशांत) सुरक्षित हैं ना। प्लीज हां या ना में जवाब दो। हम बाहर ही हैं, अगर किसी मदद की जरूरत हो तो बताओ।श् इन सवालों का दीपेश ने कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि अगर दीपेश और फ्लैट में मौजूद लोग सुशांत के लिए इतने ही चिंतित थे तो उन्होंने ऐसा सामान्य मेसेज कुशल जावेरी को कैसे भेज दिया।

युजवेंद्र चहल की मंगेतर धनाश्री वर्मा ने लाल कुर्ती और सुनहरे प्लाजो में झूमकर किया डांस

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की मंगेतर और डांसर धनाश्री वर्मा इन दिनों अपने डांस को लेकर काफी चर्चा में हैं. अपने डांस वीडियो से धनाश्री वर्मा हमेशा सोशल मीडिया पर धमाल मचाती हुई नजर आती हैं. उनके एक और वीडियो को लेकर भी ऐसा ही हाल देखने को मिल रहा है. दरअसल, धनाश्री वर्मा ने बीते दिन एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह लाल कुर्ती और गोल्डन प्लाजो पहनकर बन ठन चली गाने पर जबरदस्त डांस करती हुई नजर आ रही हैं. इस वीडियो में डांस करते हुए धनाश्री वर्मा की एनर्जी और उनके एक्सप्रेशंस कमाल के लग रहे हैं. धनाश्री वर्मा ने बन ठन चली गाने पर अपने डांस से सोशल मीडिया पर धूम मचाकर रख दी है. इस वीडियो में जितना जबरदस्त धनाश्री का डांस है, उतना ही शानदार उनका ट्रेडिशनल लुक भी लग रहा है. खास बात तो यह है कि धनाश्री के इस वीडियो को 10 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है, इसके साथ ही फैंस भी लगातार धनाश्री के वीडियो पर कमेंट्स कर उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं. इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, इस सॉन्ग की एनर्जी काफी पसंद आई और हमारी आखिरी वर्कशॉप इसी कॉरियोग्राफी पर आधारित थी. मेरा विश्वास करिए, इसने आग लगाकर रख दी थी.÷ बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब धनाश्री वर्मा ने अपने डांस से यूं धमाल मचाया हो. इससे पहले भी धनाश्री ने अपने कई वीडियो से लोगों का खूब ध्यान खींचा था. धनाश्री वर्मा यूं तो पेशे से एक डॉक्टर हैं लेकिन उन्होंने डांसर के तौर पर एक अलग पहचान बनाई है. युजवेंद्र चहल और धनाश्री वर्मा की मंगनी की फोटो जब से सोशल मीडिया पर वायरल हुई है तब से धनाश्री के डांस वीडियो और फोटो आए दिन सोशल मीडिया पर शेयर होते रहते हैं. इंस्टाग्राम पर ही उनके 9 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

रश्मि देसाई की खूबसूरती पर फैंस बोले- तेरी सूरत से नहीं...

टीवी अभिनेत्री रश्मि देसाई अपनी खूबसूरत तसवीरों से सुर्खियों में रहती हैं. अक्सर रश्मि की तसवीरें फैंस को दीवाना बना देती हैं. अब उन्होंने अपनी एक तसवीर शेयर की है जो तेजी से वायरल हो रही है. इस तसवीर में उनका स्टाइलिश लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है. रश्मि देसाई ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तसवीर पोस्ट की है, जिसमें वो कैमरे की तरफ देखकर पोज दे रही है. तसवीर में एक्ट्रेस का अलग ही अंदाज में नजर आ रहा है. रश्मि बेहद खूबसूरत लग रही हैं. उनकी इस तसवीर पर लोग जमकर कमेंट कर रहे हैं.इस तसवीर को देख कर एक यूजर ने लिखा, मैजिकल रश्मि. एक और यूजर ने लिखा, चांद सा रोशन चेहरा. एक यूजर ने लिखा, रियल क्वीन. एक अन्य यूजर ने लिखा, माशाल्लाह आपकी मुस्कान. एक यूजर ने कमेंट में लिखा, तेरी सूरत से नहीं मिलती कोई सूरत. वहीं, कई यूजर्स ने उन्हें क्यूट और हार्ट इमोजी बनाकर कमेंट किया. रश्मि देसाई अपनी एक्टिंग के साथ साथ अपने डांस को लेकर भी जानी जाती हैं. अकसर अपने डांस वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करती हैं. अब रश्मि देसाई ने अपना एक डांस वीडियो सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है. वीडियो में रश्मि ब्लैक ड्रेस में स्टेज पर अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी के सुपरहिट सॉन्ग चुरा के दिल मेरा गाने पर डांस करती हुई नजर आ रही हैं. डांस के साथ साथ उनके एक्सप्रेशंस भी कमाल के हैं. रश्मि देसाई टीवी की जानीमानी एक्ट्रेस हैं. उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत फिल्म ये लम्हें जुदाई के (2004) से की थी. अभिनेत्री ने टीवी की दुनिया में सीरियल उतरन से एंट्री की थी जिसमें उनकी एक्टिंग को सराहा गया था. इसके बाद वह दिल से दिल तक सीरियल में नजर आई थी जिसमें सिद्धार्थ शुक्ला संग उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया. रियलिटी शो बिग बॉस में भी रश्मि देसाई ने प्रशंसकों का दिल जीता. उन्होंने नागिन 4 में अपने किरदार श्लोका के जरिए भी लोगों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ी.

क्या सिद्धार्थ शुक्ला होंगे साथ निभाना साथिया-2 में ऐसी है चर्चा

इन दिनों टीवी का चर्चित शो साथ निभाना साथिया का एक सीन रसोड़े में कौन था पर बना फनी वीडियो चर्चा में था. जिसके बाद से ये खबर तेज हो गई कि शो के मेकर्स साथ निभाना साथिया का दूसरा सीजन लेकर आ रहे है. अब खबर आ रही है कि शो की प्रोड्यूसर रश्मि शर्मा सिद्धार्थ शुक्ला को लीड रोल के लिए रखने की इच्छुक हैं. दरअसल, शो की प्रोड्यूसर रश्मि शर्मा ने मुंबई मिरर से बातचीत में कहा था, लॉकडाउन के दौरान शो का रिपीट टेलिकास्ट बहुत देखा गया. उसे देखकर हमें विश्वास हुआ कि अभी सही वक्त है साथ निभाना साथिया का दूसरा सीजन लाने का. इसकी रीकॉल वैल्यू बहुत स्ट्रॉन्ग है. शो की कहानी में कई नए किरदार और ट्विस्ट होंगे, पर यह पूरी तरह से एक फैमिली शो होगा. पिंकविला ने सूत्रों के हवाले से लिखा, सिद्धार्थ साथ निभाना साथिया-2 में मेल लीड रोल के लिए पहली पसंद हैं. फिलहाल शो मेकर्स उनके साथ चर्चा कर रहे है. लेकिन अगर सबकुछ ठीक रहा तो फैंस के लिए सिद्धार्थ को शो में देखे पाएंगे. वहीं, रश्मि ने बताया था, बिना मोदी परिवार के शो वापसी नहीं कर सकता. कोकिलाबेन और गोपी बहू दोनों की वापसी होगी. बता दें कि साथ निभाना साथिया शो में पहले गोपी बहू के रोल में जिया मानेक नजर आ रही थीं. हालांकि बाद में जिया को देवोलीना भट्टाचार्जी ने रिप्लेस कर दिया था. जिसके बाद देवोलीना को दर्शकों ने गोपी बहू के किरदार में खूब पसन्द किया था. गौरतलब है कि इन दिनों श्रसोड़े में कौन था?' वीडियो इटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है. इस वीडियो में साथ निभाना साथिया के एक सीन में कोकिलाबेन नाम का किरदार गोपी बहू और राशि को डांट रही हैं. वह कुकर में बिना चने डाले उसे गैस पर चढ़ाये जाने को लेकर दोनों बहुओं को डांट रही है. कोकिलाबेन के इस वीडियो को यशराज मुखाटे ने रैप के साथ मजेदार बना दिया है. उन्होंने इस बातचीत के बैकग्राउंड में पेपी ट्यून एड कर दिया है. साथ ही कुछ हिपहॉप नोट्स भी एड कर दिये हैं।

मिथुन चक्रवर्ती और सलमान खान झूले पर फिसलते आए नजर

बॉलीवुड के दबंग सलमान खान अपनी मस्ती से सबको हंसने पर मजूबर कर देते हैं. हाल ही में सलमान खान का एक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में सलमान खान और एक्टर मिथुन चक्रवर्ती के साथ मस्ती करते नजर आ रहे हैं. वीडियो में सलमान खान और मिथुन चक्रवर्ती फिसलने वाले झूले पर मस्ती करते नजर आ रहे हैं. सलमान खान के इस पुराने वीडियो को उनके फैन क्लब ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट द्वारा शेयर किया गया है. बता दें, सलमान खान और मिथुन चक्रवर्ती का यह पुराना वीडियो भारत फिल्म के प्रमोशन के दौरान का है. सलमान और मिथुन के इस मस्ती भरे वीडियो पर फैन्स खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. सलमान खान और मिथुन के इस वीडियो पर फैन्स खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. बता दें, सलमान खान के इस लॉकडाउन के बीच तीन गाने रिलीज हुए, जो उन्होंने अपने फार्म हाउस पर ही शूट किए. इनमें, प्यार करोना तेरे बिना और ईद पर रिलीज हुआ भाई-भाई सॉन्ग शामिल है. यह तीनों ही गाने फैन्स को काफी पसंद भी आए थे. वहीं, हाल ही में बिग बॉस के 14वें सीजन का प्रोमो वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है. कोरोना महामारी के बीच बिग बॉस जल्द ही लोगों का मनोरंजन करता नजर आएगा।

रिया चक्रवर्ती के खिलाफ मीडिया ट्रायल पर तापसी पन्नू

सुशांत सिंह राजपूत मामले में प्राइम सस्पेक्ट रिया चक्रवर्ती के खिलाफ चल रहे मीडिया ट्रायल पर बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू और साउथ एक्ट्रेस लक्ष्मी मंचू ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। दरअसल रिया पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि सुशांत सिंह राजपूत को खुदखुशी करने के किए उन्होंने उकसाया। इसी बीच ट्विटर पर एक्ट्रेस लक्ष्मी ने एक ट्वीट करते हुए लिखा था कि, सुशांत को न्याय दिलाने के साथ उन्होंने रिया को भी न्याय दिलाने की मांग की। अब तापसी पन्नू ने ट्विटर पर लक्ष्मी के इस लंबे पोस्ट को रिट्वीट किया साथ ही मीडिया ट्रायल पर भी नाराजगी जताई। ट्वीट में एक्ट्रेस तापसी पन्नू में लिखा, मैं सुशांत सिंह राजपूत को निजी स्तर पर नहीं जानती और ना ही रिया को जानती हूं। लेकिन यह जानती हूं, सिर्फ यह समझने के लिए एक इंसान होना चाहिए कि किसी को दोषी साबित करने के लिए न्यायपालिका से आगे निकलना कितना गलत है। अपनी और मृतक की पवित्रता के लिए यहां के कानून पर भरोसा रखें।जबकि लक्ष्मी मंजू ने अपने पोस्ट में लिखा कि, इस बारे में बहुत सोचा कि क्या मुझे बोलना चाहिए या नहीं। मैं बहुत सारे लोगों को इसलिए चुप देखती हूं क्योंकि मीडिया ने एक लड़की को डायन बना दिया है। मुझे सच्चाई का पता नहीं है और मैं सच्चाई जानना चाहती हूं और मुझे उम्मीद है कि सच्चाई सबसे ईमानदार तरीके से सामने आएगी। मुझे न्यायपालिका प्रणाली और सुशांत को न्याय दिलाने में शामिल सभी एजेंसियों पर पूरा भरोसा है। पोस्ट में लक्ष्मी मंचू ने लिखा, लेकिन तब तक हम तथ्यों को जाने बिना व्यक्ति और उसके पूरे परिवार की बुराई और लांछन करने से खुद को रोकें। मैं केवल उस दर्द की कल्पना कर सकती हूं जिसका पूरा परिवार इन तथाकथित मीडिया ट्रायल से गुजर रहा है। दरअसल रिया चक्रवर्ती मुख्य आरोपी सुशांत सिंह राजपूत केस में हैं। कई गंभीर आरोप रिया के अलावा उनके परिवार पर लगाए गए हैं।

कंचन उजाला हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।